www.tamsasanket.com
वर्षः 29|| अंक 119 ||अम्बेडकरनगर
सोमवार
20 जुलाई 2026 ||पृष्ठः 08|| मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:24
सूर्यास्तः 07:01
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07
विशेष समाचार
संसद का मानसून सत्र... >>पेज 04
जौहर यूनिवर्सिटी तोड़ रहे... >>पेज 06
कटरीना कैफ ने 43वें ...

आपदा प्रबंधन केवल सरकार की नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी, लखनऊ में बोले सीएम योगी

‘आपदा प्रबंधन होगा और हाईटेक’

लोकार्पण

200 करोड़ से अधिक की लागत से लखनऊ में आज निर्मित उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नवीन मुख्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्राधिकरण की वेबसाइट का शुभारंभ और आपदा के समय राहत-बचाव में प्रशंसनीय कार्य करने वाले एसडीआरएफ, पीएसी व अग्निशमन सेवा के आठ कार्मिकों का सम्मान भी हुआ।

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ, बहजोई (संभल)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में यूपी राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नवीन मुख्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आपदा के प्रति पहले से सतर्कता, तैयारी और जागरूकता से जन-धन की हानि में कमी लाया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आपदा प्रबंधन केवल सरकारी तंत्र का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य भी होना चाहिए।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नवीन मुख्यालय भवन के लोकार्पण किया। लखनऊ में शहीद पथ स्थित डायल-112 मुख्यालय के निकट 200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित नया मुख्यालय आधुनिक सुविधाओं से लेस है। इसमें सातों दिन और 24 घंटे संचालित अत्याधुनिक राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र, 200 से अधिक लोगों की क्षमता वाला सभागार, क्लासरूम, व्याख्यान कक्ष, छात्रावास, पुस्तकालय तथा राज्य की आपदा प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए डिजिटल कमांड, कंट्रोल एवं समन्वय केंद्र की भी व्यवस्था की गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी में मानव-वन्यजीव संघर्ष भी आपदा में शामिल

उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने मानव-वन्यजीव संघर्ष को भी आपदा की श्रेणी में शामिल किया है। हाल में बहराइच में मगरमच्छ के हमले में 12 वर्षीय बालक की मौत का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि मगरमच्छ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी जाए तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में चार हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि अन्य प्राकृतिक आपदाओं में लगभग पांच हजार लोग प्रभावित हुए हैं।

सनातन के पावन तीर्थ, भगवान श्री कल्कि की पुण्य धरा जनपद सम्भल के चंदौसी एवं सम्भल विधान सभा क्षेत्रों में आज 569 करोड़ से अधिक लागत की 66 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। साथ ही, चंदौसी में विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश एवं मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की भव्य प्रतिमा का अनावरण हुआ।

हिंदुत्व और आस्था के सहारे दिखा विकास कार्यों का सियासी संदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संभल के बहजोई में दिया गया संबोधन हिंदुत्व, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा। उन्होंने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ भाषण शुरू किया और हरिहर मंदिर, संभल की प्राचीन पहचान, 24 कोसीय परिक्रमा और धार्मिक परंपराओं का बार-बार उल्लेख किया। अतीत के आक्रमणों का जिक्र करते हुए बाबर और उसके वंशजों पर टिप्पणी की और तुष्टीकरण की राजनीति पर भी निशाना साधा।

- मुख्यमंत्री ने केवल पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ राजू यादव के विकास कार्यों और योजनाओं के संचालन की सराहना की।
- कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक ने उन्हें दो ज्ञापन भी सौंपे।

- सीएम योगी का संभल दौरा सपा के मजबूत गढ़ में नहीं हुई घोषणा, गुन्नौर पर चुप्पी से राजनीतिक हलकों में बनी चर्चा
- मुख्यमंत्री ने संभल और चंदौसी के विकास पर दिया जोर।
- गुन्नौर विधानसभा के लिए कोई नई बड़ी घोषणा नहीं हुई।
- सीएम योगी का संबोधन हिंदुत्व और सांस्कृतिक विरासत पर केंद्रित रहा

गेस्ट हाउस की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया

राज्यमंत्री ने कहा कि संभल में एम्स बनने से पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को बड़ा संदेश जाएगा। राज्य मंत्री ने आटा गांव में गेस्ट हाउस की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया। उन्होंने बहजोई रेलवे फाटक संख्या 45-बी पर लगने वाले लंबे जाम से राहत दिलाने के लिए रेलवे ओवरब्रिज बनाने, राजकीय इंटर कॉलेज और कन्या महाविद्यालय की स्थापना कराने और मऊ कठेर में उपलब्ध 72 बीघा भूमि पर महाविद्यालय अथवा अन्य शैक्षिक संस्थान विकसित कराने की मांग की।

सही जानकारी से डाला जा सकता बड़ी दुर्घटनाएं

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले आग, भूकंप और बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान बरती जाने वाली सामान्य सावधानियों की जानकारी लोगों को दी जाती थी। अभाव में सामान्य व्यवहार भी नुकसान का कारण बन सकता है, जबकि सही जानकारी से बड़ी से बड़ी दुर्घटना को टाला जा सकता है। >> (शेष 06 पर)

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

विश्व युवा कौशल दिवस पर मुझे प्रदेश के कई युवा साथियों से मिलने और उनकी सफलता की प्रेरक कहानियां सुनने का अवसर मिला। उन्होंने जो कुछ कहा, उससे **मैं आश्वस्त हूं कि देश की सर्वाधिक युवा शक्ति वाला अपना प्रदेश कौशल से जुड़कर न केवल विकसित उत्तर प्रदेश, अपितु वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के निर्माण का पथ भी प्रशस्त करेगा।**

मेरे इस विश्वास का कारण कर्म और कौशल को सर्वोच्च स्थान देने वाली सनातन संस्कृति के चिरंतन मूल्य हैं। **रामायण में रामसेतु के निर्माण का प्रसंग हमारी सांस्कृतिक चेतना में निहित विज्ञान, शिल्प, नवाचार एवं कार्यकुशलता का गौरवशाली अध्याय है, जो हमें कुछ भी असंभव नहीं मानने का मंत्र देता है।**

लक्ष्य को कैसे संभव बनाया जा सकता है, इसका उदाहरण सोनभद्र की हेमा जी भी हैं। **उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की सहायता से ₹20 हजार से आरंभ किया गया उनका फर्नीचर व्यवसाय आज लाखों के टर्नओवर में परिवर्तित हो चुका है।** पारंपरिक कौशल एवं आधुनिक तकनीक के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए **सरकार ने विगत 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश को ‘कौशल प्रदेश’ में बदला है।** ‘विश्व युवा कौशल दिवस’ पर 'कौशल सेतु' एवं 'कौशल सारथी' का शुभारंभ इसी संकल्प का प्रतीक है।

आज प्रदेश आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं एआई हब के रूप में स्थापित हो रहा है। **'एक जनपद, एक उत्पाद' योजना से पारंपरिक हुनर को वैश्विक पहचान मिली।** 'टेक युवा-समर्थ युवा' पहल नई पीढ़ी को भविष्य की तकनीकों से जोड़ रही है। 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' कौशल को स्वरोजगार एवं उद्यमिता की शक्ति में बदल रहा है। **‘प्रोजेक्ट प्रवीण’ के माध्यम से विद्यार्थियों को नियमित शिक्षा के साथ निःशुल्क व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण तथा 'स्किल फॉर जीरो पॉवर्टी' पहल के अंतर्गत गरीब परिवारों के एक सदस्य को कौशल से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।**

मेरे युवा साथियों, अकादमिक शिक्षा का महत्व है, किंतु इसके साथ आप किसी न किसी कौशल में निपुणता अवश्य प्राप्त करें। यह कौशल आपको रोजगार पाने वाला ही नहीं, अपितु रोजगार देने वाला भी बनाएगा। उत्तर प्रदेश में अकेले एमएसएमई सेक्टर से लगभग 4 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। यह कौशल उन्नयन में प्रदेश के नवसामर्थ्य का प्रमाण है।

युवा यह संकल्प लें कि कम से कम एक कौशल सीखकर समाज और प्रदेश की प्रगति में सक्रिय भागीदारी करेंगे। प्रदेश सरकार कौशल विकास के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। **मेरा आग्रह है कि जो युवा इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं, वे अपने अन्य साथियों को भी इसकी जानकारी दें, ताकि वे भी इनका लाभ उठा सकें।** स्मरण रखिए, कौशल ही आत्मनिर्भरता का आधार, स्वाभिमान का संबल और विकसित होने की राह पर अग्रसर प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है।

आपका
योगी आदित्यनाथ

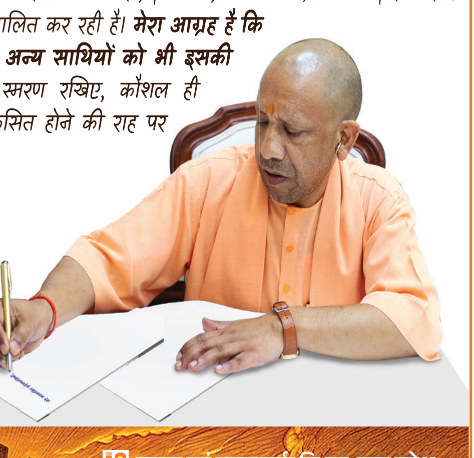

उत्तर प्रदेश-कौशल प्रदेश
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

फास्ट न्यूज

बिहार में 40 लोगों से भरी नाव नदी में पलटी

सीतामढ़ी। नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बाद बिहार में कोसी, बागमती समेत कई नदियां उफान पर हैं। इसी बीच रविवार को सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर स्थित बागमती नदी में 40 लोगों से भरी एक नाव पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई।

सतर्क खतरा

जम्मू के पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, 11 मौतें

नई दिल्ली/ जयपुर/ भोपाल/ पटना। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है।

पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए।

किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं।

अभिषेक बोले- बंगाल में पुलिस की वर्दी में चोरी हुई

कोलकाता। TMC सांसद अभिषेक बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पश्चिम बंगाल पुलिस खुद कानून तोड़ने वाली बन गई है। यह बयान उन्होंने दक्षिण 24 परगना के अमतला स्थित अपने ऑफिस को तोड़े जाने के एक दिन बाद दिया।

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक, 40 पार्टियां शामिल हुईं

राज्यसभा में अमित शाह पेश करेंगे वंदे मातरम से जुड़ा बिल

मीटिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, DMK सहित 40 दलों के 58 नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष इस बात से नाराज था कि सरकार ने TMC के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है।

- सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के सवाल, महुआ बोलीं- बागी सांसद यहां क्यों

ऑल पार्टी मीटिंग के बाद लोकसभा बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हुई। इसमें बिलों पर चर्चा के लिए समय तय किया गया। किरेन रिजिजू ने बताया कि BAC की बैठक के मुताबिक FCRA संशोधन बिल पर 4 घंटे चर्चा होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार पुलिस से 3 दिन में जवाब मांगा, अंतरिम आदेश नहीं दिया

‘वांगचुक को इलाज के लिए उठाना गलत नहीं’

सुनवाई

- वांगचुक को उठाने के लिए देर रात 1:30 बजे आदेश मिला था
- वांगचुक की पत्नी का आरोप- डॉक्टर्स हमें हेल्थ रिपोर्ट नहीं दे रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- स्वास्थ्य बिगड़ने

और डिवीजन बेंच के आदेश के कारण उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया। सरकार की इस कार्रवाई को मनमाना नहीं कहा जा सकता। वांगचुक को वहीं दवाएं दी जा रहीं, जिसमें उनकी रजामंदी है। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार के साथ पुलिस को 3 दिन में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन जारी है। अभिजीत दीपके का रविवार को भूख हड़ताल का दूसरा दिन है।

संसद मार्च पर दिल्ली पुलिस बोली- 20 जुलाई के प्रदर्शन की नहीं दी अनुमति

दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। पुलिस ने कहा है कि CJP की ओर से प्रस्तावित किसी भी विरोध मार्च या जुलूस के लिए न तो अनुमति मांगी गई है और न ही कोई अनुमति दी गई है।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से 20 जुलाई को संसद की ओर मार्च निकाले जाने की खबरें सामने आई हैं। इसे देखते हुए यह स्पष्ट किया जा रहा है कि ऐसे किसी कार्यक्रम को मंजूरी नहीं दी गई है।

नेता अस्पताल में मिलें तो सोनम कल अपनी हड़ताल खत्म कर देंगे

जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो ने कहा, अगर राजनीतिक नेता अस्पताल में सोनम से मिलें और उन्हें भरोसा दिलाएं कि वे संसद सत्र के दौरान शिक्षा में जवाबदेही का मुद्दा उठाएंगे, तो सोनम कल अपनी भूख हड़ताल खत्म कर देंगे।

मांग : राममंदिर चढ़ावा चोरी पर राहुल ने मोदी को चिट्ठी लिखी, कहा, ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक हों

‘आपकी चुप्पी स्वीकार नही’

- सपा सांसद बोले- रामभक्त कौन, कैसे तय होगा? सतीश महाना पर पलटवार

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी

जवाबदेही तय हो। इधर, आरोपी रमाशंकर यादव उर्फ 'टिन्नू' और उसके भतीजे मनीष की पुलिस कस्टडी का आज आखिरी दिन है। शनिवार सुबह साढ़े 8 बजे पुलिस दोनों को जिला जेल से अपने साथ 39 घंटे की रिमांड पर ले गई थी। पुलिसकर्मी रात 11 बजे तक SOG ऑफिस में ही मौजूद रहे। आरोपियों को कहीं और नहीं ले जाया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

शनिवार को लिखी चिट्ठी रविवार को सामने आई

उन्होंने पीएम मोदी से कहा-आपने संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार ने की। यह बात जगजाहिर है कि ट्रस्ट के सदस्य RSS, VHP और उसके सहयोगियों से जुड़े हैं। पूर्व महासचिव भी आपके करीबी थे। ऐसे में आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं है। जवाबदेही सुनिश्चित करना आपका कर्तव्य है। सरकार और ट्रस्ट की साख इसी बात पर टिकी है।

आरएसएस और विहिप ने 23 जुलाई को अयोध्या में संतों का सम्मेलन बुलाया

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बीच विश्व हिंदू परिषद (VHP) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) ने 23 जुलाई को अयोध्या की मणिराम छावनी में संतों का सम्मेलन बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक, RSS के स्वयंसेवक और VHP के कार्यकर्ता श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

एमपी में यूसीसी बिल को कैबिनेट की मंजूरी

विधानसभा सत्र में पेश करने की तैयारी

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड, यूसीसी) लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रविवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यूसीसी विधेयक-2026 के ड्राफ्ट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अब इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधानसभा का सत्र कल से शुरू हो रहा है। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार विधेयक को विधानसभा में पेश करने के लिए पूरी

- दो राज्यों में यूसीसी विधेयक पारित, एक में लागू

तरह तैयार है। समानता भारतीय संस्कृति और मूल्यों का अभिन्न हिस्सा रही है। इसी भावना के अनुरूप सरकार ने यह कदम उठाया है। देश में उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य है, जबकि गुजरात और असम में यूसीसी विधेयक पारित हो चुका है।

>> (शेष पेज 06 पर)

काल भैरव का दर्शन किया, पति और बेटे के साथ बाबा विश्वनाथ के दरबार में रुद्राभिषेक किया

काशी में दिल्ली की सीएम ने मनाया अपना जन्मदिन

प्रार्थना

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को अपना 52वां जन्मदिन जन्मदिन मनाया। वह अपने पति मनीष गुप्ता और बेटे निकुंज के साथ काशी पहुंचीं। वह शनिवार को ही काशी पहुंचीं थीं। रविवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और काशी के कोतवाल श्री काल भैरव मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने बाबा विश्वनाथ के समक्ष दिल्लीवासियों की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और देश की प्रगति के लिए प्रार्थना की। सुबह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री रेखा

गुप्ता अपने परिवार के साथ वह काल भैरव मंदिर पहुंचीं, जहां विधि विधान से उन्होंने पूजा-अर्चना की पुजारी ने उन्हें काला धागा दिया। उसके बाद श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचीं। मंदिर प्रशासन और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने सबसे पहले मंदिर परिसर स्थित श्री अविमुक्तेश्वर महादेव का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक किया। इसके बाद गर्भगृह में पहुंचकर बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की। पूजा होने के बाद उन्होंने पूरे मंदिर परिसर का भ्रमण किया, जहां अधिकारियों ने उन्हें मंदिर की व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। उसके पहले पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ होटल में केक काटा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मैं बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन-पूजन एवं दिल्लीवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण के लिए उनका आशीर्वाद लेने वाराणसी आई हूं।

वैदिक विधि से हुआ रुद्राभिषेक

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंदिर में वैदिक परंपरा के अनुसार विशेष रुद्राभिषेक कराया। इस अनुष्ठान में पांच विद्वान आचार्यों एवं पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा संपन्न कराई। रुद्राभिषेक के दौरान सबसे पहले भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक किया गया। पंचामृत में दूध, दही, घी, शहद और चीनी का उपयोग किया गया। इसके पश्चात गंगाजल, तीर्थ जल तथा गन्ने के रस सहित विभिन्न पवित्र द्रव्यों से भगवान शिव का अभिषेक किया गया। शास्त्रीय विधान के अनुसार अभिषेक की धारा पूरे अनुष्ठान के दौरान निरंतर प्रवाहित होती रही। मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना पूर्ण होने के बाद मंदिर प्रशासन, पुजारियों और सुरक्षा व्यवस्था में लगे अधिकारियों से भी मुलाकात की तथा व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उनके आगमन के दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और दर्शन व्यवस्था को भी सुचारु रूप से संचालित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की कृपा और काल भैरव जी का संरक्षण अनादिकाल से इस पावन नगरी और इसके भक्तों का संबल रहा है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में दुग्धाभिषेक किया।

> मंदिर दर्शन करने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की गाड़ी का काफिला लक्ष्मी टी शॉप पर पहुंचा। वहां उनके साथ विधायक रविंद्र जायसवाल भी मौजूद रहे। उन्होंने काशी की प्रसिद्ध हींग कचौड़ी खाए। इसके बाद चाय और ब्रेड मक्खन का भी स्वाद लिया, जो लक्ष्मी चाय की दुकान पर सबसे प्रसिद्ध है।

गाजियाबाद में बिजली कटौती के विरोध में प्रदर्शन

बीजेपी एमएलए पहले ही ऊर्जा मंत्री को लिख चुके हैं लेटर

तमसा संकेत, एजेंसी

लोनी। गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र की रामपार्क कॉलोनी में लगातार बिजली कटौती से परेशान लोगों का गुस्सा रविवार दोपहर सड़क पर फूट पड़ा।

नाराज लोगों ने गढ़ी कटैया से खानपुर जाने वाले मार्ग को जाम कर प्रदर्शन किया। सड़क बंद होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि पिछले 15 दिनों से इलाके में अघोषित बिजली कटौती हो रही है। दिनभर कई बार बिजली चली जाती है और घंटों तक आपूर्ति बहाल नहीं होती। इससे लोगों का रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली न होने से पानी की मोटर नहीं चल पा रही हैं। इससे घरों में पानी की किल्लत हो गई है। कई परिवारों को बाहर से पानी लाकर काम चलाना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली कटौती से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसी से नाराज होकर लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

सड़क जाम की सूचना मिलते ही ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया और यातायात सामान्य कराने की कोशिश शुरू की।

फास्ट न्यूज

दो साल की लापता बच्ची का शव तालाब में मिला

बाराबंकी। बाराबंकी के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के मंगलपुर गांव में दो वर्षीय बच्ची काव्या का शव तालाब में मिला है। काव्या शनिवार से लापता थी और रविवार सुबह उसका शव घर के बाहर स्थित तालाब में उतराता हुआ पाया गया। इस घटना से गांव में गम का माहौल है। परिजनों ने बताया कि काव्या शनिवार को अपने घर से अचानक लापता हो गई थी।

प्रयागराज में चलती ट्रेन पर पत्थरबाजी

प्रयागराज । प्रयागराज में चलती ट्रेन पर पत्थरबाजी का मामला सामने आया है। दारागंज के अलोपीबाग के पास रेलवे ट्रैक पर कुछ युवकों ने मालगाड़ी पर पत्थर चलाए। पूरी घटना का वीडियो सामने आने के बाद रेलवे में हड़कंप मच गया है। वीडियो के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। मामला शनिवार का बताया जा रहा है, जिसका वीडियो रविवार की सुबह 8 बजे से वायरल है। बताया जा रहा है कि शनिवार को अलोपीबाग के पास रेलवे ट्रैक के किनारे कुछ युवक खड़े थे। इसी दौरान एक मालगाड़ी वहां से गुजरने लगी।

बाराबंकी में पांच घंटे में आठ बार गुल हुई बिजली

बाराबंकी। शनिवार को जिला अस्पताल में लगातार बिजली कटौती से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। पांच घंटे के भीतर आठ बार बिजली आपूर्ति बाधित होने से मरीजों और अस्पताल कर्मचारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालात ऐसे हो गए कि दवा वितरण कक्ष में प्रशिक्षु फार्मासिस्ट और कर्मचारी मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में मरीजों को दवाएं वितरित करते नजर आए।

टाटा-हावड़ा स्टील एक्सप्रेस पर टूटा ओएचई तार टला बड़ा हादसा

रेलवे पुल पर बीच रास्ते रुकी ट्रेन

तमसा संकेत, एजेंसी

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में रविवार सुबह टाटा-हावड़ा स्टील एक्सप्रेस के साथ एक बड़ा रेल हादसा टल गया। गालूडीह थाना क्षेत्र में स्वर्णरेखा नदी पर बने रेलवे पुल के पास ट्रेन के गुजरने के दौरान ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) तार टूटकर कोच की छत पर गिर गया, जिससे ट्रेन बीच पुल पर ही रुक गई।

घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन इसके कारण टाटा-हावड़ा रेलखंड पर रेल परिचालन प्रभावित हो गया।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, घटना सुबह करीब सात बजे चंद्ररेखा गांव के समीप घाटर रेलवे पुल पर हुई। टाटानगर से हावड़ा जा रही स्टील एक्सप्रेस के गुजरने के दौरान अचानक ओएचई तार टूट गया। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण ट्रेन तत्काल रोक दी गई।

प्रत्यक्षदर्शी यात्रियों ने बताया कि घटना से पहले तेज चरमराहट की आवाज सुनाई दी और इसके बाद चिंगारियां निकलती दिखाई दीं। कुछ ही क्षणों में, हाई-टेंशन ओएचई तार ट्रेन की छत पर आ गिरा। इससे यात्रियों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था के कारण कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। ट्रेन लंबे समय तक पुल पर खड़ी रहने के कारण कई यात्री नीचे उतर गए। वे रेलवे ट्रैक के सहारे पैदल गालूडीह की ओर बढ़े और राष्ट्रीय राजमार्ग तक पहुंचकर आगे की यात्रा के लिए वैकल्पिक साधनों का सहारा लिया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी टीम, ट्रैक्शन रोलिंग डिस्ट्रीब्यूशन (टीआरडी) इकाई और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान मौके पर पहुंचे।

राहुल के पास आय से अधिक संपत्ति!

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई आज, सीबीआई-ईडी समेत 10 एजेंसियों से मांगी जांच रिपोर्ट

- सीबीआई, ईडी समेत 10 केंद्रीय एजेंसियां हैं पक्षकार
- भाजपा सदस्य ने दाखिल की है याचिका

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच सोमवार दोपहर सुनवाई करेगी। कोर्ट ने पहले CBI, ED समेत 10 केंद्रीय एजेंसियों को प्रारंभिक जांच रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। यह मामला कोर्ट मॉनिटरिंग में चल रही जांच से जुड़ा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच की अतिरिक्त सूची के अनुसार, क्रिमिनल रिट पिटीशन पर सोमवार, 20 जुलाई को दोपहर 2:15 बजे सुनवाई होगी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ करेगी। सूची के अनुसार यह मामला MP/MLA मामलों के रोस्टर के तहत लिस्टेड है। याचिका में CBI निदेशक, ED निदेशक, CBDT चेयरमैन, SFIO निदेशक, गृह मंत्रालय, राजस्व विभाग, कार्मिक विभाग (DoPT) और कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय सहित कुल 10 केंद्रीय एजेंसियों को पक्षकार बनाया गया है। इस मामले में 12 मई 2026 को हाईकोर्ट ने सभी संबंधित एजेंसियों को आठ सप्ताह के भीतर प्रारंभिक जांच रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। उसी आदेश के अनुपालन में अब अगली सुनवाई हो रही है।

> याचिका भाजपा उत्तर प्रदेश के सदस्य एस. विग्नेश शिशिर ने व्यक्तिगत रूप से (इन पर्सन) दाखिल की है। याचिका में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने की मांग की गई है।

सुरक्षा कारणों का भी किया गया उल्लेख

याचिकाकर्ता की ओर से जारी जानकारी में दावा किया गया है कि मामले से जुड़े सुरक्षा कारणों को देखते हुए सुनवाई चैंबर में प्रस्तावित है। हालांकि, इस संबंध में अदालत की ओर से अलग से कोई आधिकारिक आदेश सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने की पुष्टि नहीं हुई है।

घर से स्कूटी लेकर निकले थे, तलाशी में पॉलिथीन में मिला 30 ग्राम सोना

सई नदी में डूबे तीन लड़के

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में रविवार सुबह 9 बजे सई नदी में नहाने गए तीन लड़के डूब गए। डूबने वालों में दो सगे भाई हैं, जबकि एक उनका रिश्तेदार है। तीनों लड़के स्कूटी लेकर घर से निकले थे। नहाते समय वे गहरे पानी की तरफ चले गए और डूबने लगे। किनारे पर मौजूद मछुआरों ने डूबते देखा तो शोर मचाया। पुलिस को सूचना दी गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचे। गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम ने नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया। अयोध्या और प्रयागराज से भी SDRF की टीमें बुलाई गईं। पुलिस ने एक लड़के का शव बरामद कर लिया।

पुलिस को घटनास्थल से लड़कों की चप्पलें और स्कूटी मिलीं। स्कूटी की तलाशी लेने पर पॉलिथीन से

अमित, मृतक

करीब 30 ग्राम सोना बरामद हुआ है। 1 हजार कैश भी रखा था। जेवर की कीमत लगभग साढ़े 4 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस जांच कर रही है, कि आखिर यह गहने कहां से आए। मामला नगर कोतवाली इलाके का है। नगर कोतवाली के अचलपुर के रहने वाले दो सगे भाई कृष्ण सोनी (13), अनुराग सोनी(15) रिश्तेदार अमित सोनी (17) के साथ रविवार सुबह करीब 9 बजे घर से स्कूटी लेकर निकले थे। घर वालों ने बताया- तीनों ने घर से दुकान जाने की बात कही थी, लेकिन वह दुकान जाने से पहले सई नदी में नहाने चले गए। सूचना मिलते ही अयोध्या से NDRF की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई है। वहीं प्रयागराज से भी NDRF की दूसरी यूनिट राहत और बचाव कार्य के लिए घटनास्थल पर पहुंच चुकी है।

> नदी किनारे पहुंचते ही तीनों नहाने के लिए कूछ गए। नहाते-नहाते गहरे पानी की तरफ चले गए और डूबने लगे। किनारे पर मौजूद मछुआरों ने उन्हें डूबते देखा तो शोर मचाया। उन्हें बचाने के लिए दौड़े, लेकिन जब तक कोई कुछ कर पाता, तब तक तीनों गहरे पानी में समा चुके थे।

घटनास्थल से मिली स्कूटी और 30 ग्राम सोना

सीओ सिटी आशुतोष मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों व एसडीआरएफ टीम को बुलाया। नदी में खोजबीन शुरू कराई। करीब एक घंटे तक चले सर्च अभियान के बाद अमित का शव बरामद हुआ। 2 लड़कों का पता नहीं चला पाया है।

पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रही है। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन भी मौजूद हैं। पुलिस को घटनास्थल से तीनों लड़कों की चप्पलें और स्कूटी मिली। पुलिस ने स्कूटी की जांच की, तो उसमें से 30 ग्राम सोना और एक हजार कैश मिला। यह एक पॉलिथीन में रखा था।

गोरखपुर एयरपोर्ट पर बैगेज को लेकर हंगामा

गोरखपुर । गोरखपुर एयरपोर्ट पर दिल्ली से आने वाली इंडिगो एयर-लाइंस की फ्लाइट 6E 2381 शनिवार शाम करीब 4 बजे तय समय पर गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंची। फ्लाइट से उतरने के बाद यात्री जब बैगेज बेल्ट पर अपना सामान लेने पहुंचे तो 24 यात्रियों का बैगेज नहीं मिला। पहले यात्रियों ने कुछ देर इंतजार किया, लेकिन बैगेज बेल्ट बंद होने के बाद भी सामान नहीं आने पर एयरपोर्ट पर हलचल बढ़ गई। प्रभावित यात्री लगातार इंडिगो के हेल्प डेस्क और कस्टमर सपोर्ट काउंटर पर जानकारी लेने पहुंचते रहे। एयर-लाइन की जांच में सामने आया कि दिल्ली एयरपोर्ट पर आई तकनीकी समस्या के कारण 24 बैगेज फ्लाइट में लोड नहीं हो सके। इसी वजह से यात्रियों का सामान दिल्ली में ही रह गया। हालांकि एयरलाइन ने साफ किया कि यह केवल बैगेज लोडिंग से जुड़ी तकनीकी समस्या है। सभी बैगेज पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी भी सामान के मिसिंग या डैमेज नहीं हुआ है।

मैजिक की टक्कर से बाइक सवार 2 युवकों की मौत

वाराणसी में बाइक खड़ी करके बात कर रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में शनिवार की रात करीब 9:30 बजे तेज रफ्तार मैजिक ने बुलेट में टक्कर मार दी। इससे बुलेट के पास खड़े 3 युवक उछलकर 4 से 5 मीटर दूर जा गिरे। तीनों घायल हो गए। बुलेट भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही राजातालाब पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को एंबुलेंस के जरिए हाईवे स्थित हेरिटेज अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। तीसरे की हालत गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। तीनों युवक आपस में दोस्त थे। घटना राजा तालाब क्षेत्र की है।

राजातालाब के बीरभानपुर निवासी जमाल (26) और शाहिद (20) आपस में दोस्त थे। वह दोनों शुक्रवार की रात बुलेट पर सवार होकर राजा तलाब की ओर जा रहे थे। जमाल के चाचा जहांगीर ने बताया कि रास्ते में बीरभानपुर-ओदार गांव के सामने पेट्रोल पंप के पास अपने मित्र आमीन को देखकर रुक गए। इसी दौरान जंसा की ओर से तेज रफ्तार मालवाहक मैजिक उधर आया और खड़ी बाइक में टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक उछल गई और तीनों युवक उसकी टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मौके से मैजिक वाहन और उसके ड्राइवर को कब्जे में ले लिया है।

आदेश : वाराणसी में स्वामी जीतेंद्रानंद बोले- 2003 में हुई थी नमाज, कोर्ट तक पहुंचा था मामला

हनुमानगढ़ी नमाज विवाद में संत समिति की एंट्री

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। अयोध्या की हनुमान-गढ़ी में नमाज को लेकर चल रहे विवाद में अब अखिल भारतीय संत समिति और गंगा महासभा भी खुलकर सामने आई है। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बयान पर सवाल उठाए हैं।

स्वामी जीतेंद्रानंद ने दावा किया कि साल 2003 में हनुमानगढ़ी परिसर में रोजा इफ्तार और नमाज हुई थी। उन्होंने कहा कि इस घटना से जुड़े दस्तावेज और न्यायालय की कार्यवाही इस दावे की पुष्टि करते हैं। उन्होंने हनुमानगढ़ी ट्रस्ट डीड,

अदालत के आदेश और 2005 के संत आंदोलन का हवाला देते हुए कहा कि ऐतिहासिक तथ्यों को नकारा नहीं जा सकता। साथ ही मंदिर के इतिहास को लेकर किए जा रहे दावों को भी उन्होंने तथ्यों के विपरीत बताया।

स्वामी जीतेंद्रानंद के मुताबिक, जिला जज अनिल कुमार शुक्ल ने उस समय के महंत ज्ञानदास को लिखित में माफी मांगने और संबंधित संतों की गद्दी पर जाकर उनसे क्षमा मांगने का आदेश दिया था। उनका दावा है कि बाद में महंत ज्ञानदास ने ऐसा किया भी था।

स्वामी जीतेंद्रानंद ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर को नवाब शुजाउद्दौला द्वारा बनवाए जाने का दावा सही नहीं है। उनके मुताबिक, स्कंद पुराण समेत कई प्राचीन ग्रंथों में हनुमानगढ़ी का उल्लेख मिलता है। साथ ही, मंदिर के निर्माण और विस्तार से जुड़े ऐतिहासिक प्रमाण भी मौजूद हैं।

हनुमानगढ़ी ट्रस्ट डीड की धारा-10 का हवाला दिया

स्वामी जीतेंद्रानंद ने कहा कि हनुमानगढ़ी ट्रस्ट डीड की धारा-10 में साफ लिखा है कि मंदिर परिसर में किसी दूसरे धर्म या संप्रदाय का प्रचार नहीं किया जा सकता। न ही उसकी पूजा-पद्धति का महिमामंडन किया जा सकता। उन्होंने बताया कि इसी बात को आधार बनाकर महंत धर्मदास, गौरीशंकर दास समेत पांच संतों ने तत्कालीन फैजाबाद जिला अदालत में याचिका दायर की थी।

> स्वामी जीतेंद्रानंद के अनुसार, उस समय तत्कालीन सांसद और वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी आंदोलन कर रहे संतों का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक तथ्यों को नकारने से सच्चाई नहीं बदलती।

सीएम योगी का बाराबंकी में स्वागत हुआ

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाराबंकी दौरे से पहले ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने उनका स्वागत किया। रविवार शाम 4:00 बजे राईन ने कहा कि देवा-महादेव की इस पावन धरती पर मुख्यमंत्री का अभिनंदन है। उन्होंने मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट 'महादेवा कॉरिडोर' की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था बेहतर हुई है। पसमांदा नेता वसीम राईन ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विपक्षी दलों की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद पूरा प्रदेश गुंडा मुक्त हो गया है। राईन के अनुसार, वर्तमान सरकार में कानून व्यवस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत है, जिससे महिलाएं भयमुक्त होकर बाजारों और रास्तों पर निकल रही हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी सरकार पर गुंडई हावी होने का आरोप लगाया था।

सूरतगंज क्षेत्र में शनिवार से रविवार तक रुक-रुककर होती रही बारिश

खेतों में बढ़ी नमी किसानों ने राहत की सांस ली

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। शनिवार से शुरू हुई बारिश रविवार तक रुक-रुककर जारी रहने से सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के किसानों के चेहरे खिल उठे। लंबे इंतजार के बाद हुई बारिश ने जहां भीषण गर्मी और उमस से लोगों को राहत दी, वहीं धान की खेती करने वाले किसानों के लिए यह बारिश किसी सौगात से कम नहीं रही। बारिश के बाद खेतों में पर्याप्त नमी पहुंचने से किसानों ने राहत की सांस ली है।

क्षेत्र में शनिवार से मौसम का मिजाज बदला और आसमान में बादल छाने के साथ बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। जो रविवार को भी दिनभर रुक-रुककर बारिश होती रही। कभी तेज तो कभी हल्की बारिश होने से खेतों में पानी और नमी पहुंची। इस बारिश से धान की रोपाई कर चुके किसानों को काफी फायदा हुआ है, जबकि जिन

किसानों के खेतों में अभी रोपाई का कार्य चल रहा है, उन्हें भी राहत मिली है। किसानों का कहना है कि धान की फसल के लिए इस समय पानी की बेहद आवश्यकता है। बारिश होने से खेतों की नमी बरकरार रहेगी और किसानों को सिंचाई के लिए ट्यूबवेल व निजी साधनों पर निर्भरता कम होगी। बारिश से धान के साथ-साथ अन्य खरीफ फसलों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। किसान रामधीरज सिंह राठौर, चंदन सिंह, रामकुमार, राजकिशोर, हरीश मिश्रा, छोटेलाल, रामसेवक और सुरेश सहित अन्य किसानों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से तेज धूप और उमस के कारण खेतों की नमी तेजी से सूख रही थी। किसान पानी लगा लगा कर परेशान थे धान की रोपाई के बाद फसल को पानी की जरूरत थी। शनिवार से हो रही बारिश ने काफी राहत दी है। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह बारिश होती रही तो धान की फसल को अच्छा लाभ मिलेगा।

430 शौचालयों की धनराशि में अनियमितता का आरोप, जांच के बाद न्यायालय पहुंचा था मामला

शौचालय घोटाले में पूर्व प्रधान ने किया सरेंडर

जांच

- पूर्व प्रधान की शिकायत के बाद शुरू हुई थी पड़ताल
- वारंट जारी होने के बाद कोर्ट पहुंचीं पूर्व प्रधान

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। टांडा विकासखंड की ग्राम पंचायत अवसानपुर में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शौचालय निर्माण की धनराशि में अनियमितता के मामले में तत्कालीन ग्राम प्रधान रेखा वर्मा ने शनिवार को सीजेएम कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। न्यायालय ने जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। यह मामला वर्ष 2014-15 में ग्राम पंचायत में हुए शौचालय निर्माण कार्य से जुड़ा है। शिकायत के बाद हुई जांच में निर्माण कार्यों और स्वीकृत धनराशि का सत्यापन कराया गया था। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय की ओर से कई बार संबंधित लोगों से लाभार्थियों की सूची और अन्य दस्तावेज मांगे गए थे। लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की गई। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। प्रकरण की सुनवाई सीजेएम कोर्ट में चल रही थी। मामले में न्यायालय की ओर से जारी आदेश के बाद शनिवार को रेखा वर्मा ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। उनकी ओर से दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायालय ने उसे खारिज कर दिया। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया जारी है।

- ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान वंशराज वर्मा की शिकायत के बाद मामले की जांच कराई गई थी। जांच समिति ने मौके पर जाकर शौचालयों की स्थिति और संबंधित अभिलेखों की पड़ताल की।
- जांच में तत्कालीन ग्राम प्रधान रेखा वर्मा, पंचायत सचिव जसवंत कुमार और विनोद कुमार गुप्ता को अनियमितता के लिए जिम्मेदार बताया गया था।

लक्ष्य से कम मिले शौचालय, 51.60 लाख की धनराशि पर उठे सवाल

जांच के दौरान ग्राम पंचायत में 818 शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित था। सत्यापन में 388 शौचालय ही निर्मित पाए गए।

जांच रिपोर्ट के अनुसार, शेष 430 शौचालयों के लिए स्वीकृत 51.60 लाख रुपये की धनराशि का हिसाब नहीं मिल सका। उस समय प्रत्येक शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रुपये की धनराशि निर्धारित की गई थी।

सड़क सुरक्षा अभियान को मिली रफ्तार किया जागरूक

विद्यार्थियों और वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन की दिलाई गई शपथ

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सड़क सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता कार्यक्रम, विद्यालयी प्रतियोगिताएं और प्रवर्तन गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन और आईआईटी मद्रास के सहयोग से संचालित इस अभियान में नागरिकों, वाहन चालकों और विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

अकबरपुर के तहसील तिराहा पर आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम हुआ। इसमें आम नागरिकों और वाहन चालकों के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर के दौरान वाहन चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग, नियमित स्वास्थ्य जांच और यातायात नियमों के पालन के बारे में जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि वाहन चलाते समय चालक का शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जरूरी है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। इसी उद्देश्य से शिविर के माध्यम से वाहन चालकों को जागरूक किया गया। अभियान के तहत टांडा और कटेहरी क्षेत्र में भी सड़क सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किए गए। यहां नागरिकों और वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट के इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को बताया गया कि छोटी-छोटी सावधानियां सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

फास्ट न्यूज

बेवाना पुलिस ने वारंटी आरोपी को घर से किया गिरफ्तार

अम्बेडकरनगर। बेवाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर एक वारंटी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने से जुड़े मामले में न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी किया गया था।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

ताइक्वांडो बेल्ट टेस्ट में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

तकनीकी मूल्यांकन के बाद हुआ चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के निर्देशन में अम्बेडकरनगर ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से बुद्धा वॉरियर्स एकेडमी, नरेंद्र देव इंटर कॉलेज में एक दिवसीय ताइक्वांडो बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। इसमें जिले की विभिन्न ताइक्वांडो अकादमियों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के सचिव मंगेश कुमार मन ने बताया कि बेल्ट टेस्ट में जिले की कई अकादमियों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इनमें मन मार्शल आर्ट फाइट क्लब तमसा, आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र यूपीएस गदायां, सेंट जेवियर्स अकबरपुर, डीएवी एकेडमी टांडा, बुद्धा वॉरियर्स ताइक्वांडो एकेडमी जलालपुर और सेंट जेवियर्स अहरिया के खिलाड़ी शामिल रहे।

- जिले की विभिन्न अकादमियों के खिलाड़ियों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

बेल्ट टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी श्रेणी के अनुसार किक, पंच, ब्लॉक, स्टांस, मिक्स तकनीक और फ्लाइंग किक्स का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन का तकनीकी मूल्यांकन ब्लैक बेल्ट थर्ड डान रजत मौर्य ने किया।

बाढ़ से निपटने को तैयार प्रशासन कलेक्ट्रेट में नियंत्रण कक्ष सक्रिय

1077 टोल फ्री नंबर पर दे सकेंगे सूचना, नदियों के जलस्तर और संवेदनशील क्षेत्रों पर रहेगी नजर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्ट्रेट में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो 18 जुलाई से 2 अक्टूबर 2026 तक चौबीसों घंटे संचालित रहेगा।

नियंत्रण कक्ष का उद्देश्य नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखना, बाढ़ से जुड़ी सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान करना और जरूरत पड़ने पर राहत व बचाव कार्यों को समय से शुरू कराना है।

जिला प्रशासन ने बाढ़ संबंधी सूचना और आपात स्थिति के लिए आपदा हेल्पलाइन नंबर 1077 जारी किया है। नागरिक इस टोल फ्री नंबर पर बाढ़, जलभराव या अन्य आपदा से जुड़ी जानकारी दे सकेंगे।

प्रशासन ने नियंत्रण कक्ष में तैनात कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली हर सूचना को पंजिका में दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। किसी भी क्षेत्र से बाढ़, जलस्तर बढ़ने या जनहानि की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया जाएगा। नियंत्रण कक्ष के कर्मचारी बाढ़ संभावित गांवों के लेखपाल, ग्राम विकास अधिकारी, पंचायत अधिकारी और ग्राम प्रधानों से लगातार संपर्क बनाए रखेंगे। क्षेत्र की स्थिति की नियमित जानकारी जुटाई जाएगी। इसके अलावा सिंचाई विभाग से हर दो घंटे पर नदियों के जलस्तर की जानकारी ली जाएगी। इसे गेज रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। किसी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने पर इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी जाएगी। जिला प्रशासन ने चकबंदी अधिकारी महेंद्र प्रताप को बाढ़ नियंत्रण कक्ष का प्रभारी बनाया है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु ने बताया कि उच्चाधिकारी कभी भी नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था का निरीक्षण कर सकते हैं। प्रशासन का कहना है कि नियंत्रण कक्ष के माध्यम से बाढ़ की स्थिति पर नजर रखी जाएगी और जरूरत के अनुसार राहत एवं बचाव कार्यों को संचालित किया जाएगा।

तालाब की जमीन पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के कैथा गांव में सार्वजनिक तालाब की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने गांव के ही कुछ लोगों पर तालाब की जमीन पर कब्जा कर खेती करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में शिकायत दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जांच कराकर जमीन को कब्जामुक्त कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार, गांव स्थित तालाब की भूमि पर कुछ लोग कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि राजस्व विभाग की ओर से पहले तालाब की भूमि की पैमाइश कराई गई थी। इसके बाद मौके पर निशानदेही और पिलर भी लगाए गए थे। आरोप है कि इसके बावजूद कुछ लोग दबाव बनाकर तालाब की जमीन पर जोताई कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि सार्वजनिक तालाब गांव की संपत्ति है, जिसका उपयोग ग्रामीणों के हित में होता है। आरोप है कि कब्जे का विरोध करने पर संबंधित लोगों की ओर से धमकी दी जा रही है। ग्रामीणों ने मामले की जानकारी डायल 112 पुलिस को भी दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर विवादित भूमि पर कब्जा न करने की हिदायत दी थी।

ग्रामीणों का आरोप है कि चेतावनी के बाद भी जमीन पर कब्जे की कोशिश जारी रही। इसके बाद ग्रामीणों ने कोतवाली पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दी। उन्होंने मांग की है कि पूरे मामले की जांच कर तालाब की भूमि को कब्जे से मुक्त कराया जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों ने कहा कि सरकारी और सार्वजनिक भूमि पर किसी भी तरह का निजी कब्जा गांव के हितों को प्रभावित करता है।

बूथ अध्यक्षों की बैठक में विधानसभा सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा

जलालपुर, अम्बेडकरनगर। भाजपा बूथ अध्यक्षों की विधानसभा सम्मेलन की तैयारी बैठक नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने को लेकर चर्चा की गई। बैठक का शुभारंभ पार्टी के प्रेरणास्रोत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष रमाशंकर सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

वाराणसी में जमीन विवाद में पुलिस के सामने चली गोली

वाराणसी। वाराणसी में रविवार दोपहर 1 बजे जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। सूचना पर पहुंची डायल-112 पुलिस टीम के सामने ही दोनों पक्षों में मारपीट, पथराव और फायरिंग हुई। गोली लगने से दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों पक्ष सगे भाई और भतीजे हैं। दोनों पक्ष पेशे से अधिवक्ता बताए जा रहे हैं।

वीडियो वायरल होने पर प्रशासन में हड़कंप, हिस्सेदारी नहीं मिलने का आरोप

पैतृक संपत्ति विवाद में परिवार समेत आत्मदाह का प्रयास

तमसा संकेत, संवाददाता

पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो, पैतृक संपत्ति के विवाद और दोनों पक्षों के आरोपों की जांच की जा रही है। सभी तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद उपलब्ध साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंबेडकरनगर। अकबरपुर क्षेत्र में पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर रविवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। शहजादपुर शहजहांपुर निवासी सद्दाम हुसैन ने अपने परिवार के साथ कथित तौर पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आ गया। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सद्दाम हुसैन का आरोप है कि उनके पिता सलीम ने महानगर कॉलोनी में जमीन खरीदकर वाहन इंजन मरम्मत का कारखाना स्थापित किया था। पिता के निधन के बाद मां की सहमति से बड़े भाई मेराज और सिराज दुकान और कारखाने का संचालन करने लगे। परिवार में कुल छह भाई हैं, जिनमें समीम अहमद, सिरताज, नियाज अहमद, सद्दाम, सिराज और मेराज शामिल हैं।

सद्दाम का कहना है कि मां की मृत्यु के बाद मेराज और सिराज ने दुकान और कारखाने पर पूरा कब्जा कर लिया। उनका आरोप है कि कारखाने की आय से पानी का प्लांट और कई अन्य जमीनें खरीदी गईं, लेकिन चार भाइयों को उनमें उनका उचित हिस्सा नहीं दिया गया। उनका यह भी कहना है कि जब भी वह पैतृक संपत्ति में अपने अधिकार की मांग करते हैं, तब विवाद होता है और उनके साथ मारपीट की जाती है। सद्दाम के अनुसार, उन्होंने 12 नवंबर 2025 को तत्कालीन जिलाधिकारी से पूरे मामले की शिकायत की थी। शिकायत के बाद हल्का लेखपाल अखिलेश सिंह और दो पुलिसकर्मियों ने मौके का निरीक्षण किया। इसके बाद जिला प्रशासन को रिपोर्ट सौंपी गई। सद्दाम का दावा है कि रिपोर्ट में छह भाइयों की हिस्सेदारी वाले कारखाने पर मेराज और सिराज के कब्जे का उल्लेख किया गया था।

पत्नी, बेटियों और परिवार की महिलाओं के साथ पहुंचे

रविवार दोपहर सद्दाम हुसैन अपनी पत्नी आल्फिया बानो, तीन वर्षीय बेटी जहेरा, डेढ़ वर्षीय बेटी फातिमा तथा परिवार की महिलाओं सबनम, सबा और साहीन बेग के साथ विवादित कारखाने पर पहुंचे। आरोप है कि सभी अपने साथ पेट्रोल की बोतलें लेकर आए थे। वहां उन्होंने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया।

ट्यूबवेल पर सो रहे वृद्ध की हत्या से दहला गांव खून से लथपथ मिला शव

खाना लेकर पहुंचे नाती ने दी परिजनों को सूचना

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के बड़ेपुर मुस्काबाद गांव में शनिवार रात ट्यूबवेल पर सो रहे 65 वर्षीय वृद्ध की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। सुबह तक शांत रहने वाले गांव में घटना की जानकारी मिलते ही सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान गांव निवासी राधे श्याम प्रजापति के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह शनिवार रात अपने खेत स्थित ट्यूबवेल पर सोने गए थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया।

रात करीब 10 बजे राधे श्याम का नाती संजय खाना लेकर ट्यूबवेल पर पहुंचा। वहां पहुंचते ही उसकी नजर खून से लथपथ हालत में पड़े बाबा पर गई।

घटना का दृश्य देखकर संजय चीख पड़ा। वह तुरंत घर पहुंचा और परिजनों को पूरी जानकारी दी। इसके बाद परिवार के लोग आनन-फानन में ट्यूबवेल पहुंचे, लेकिन तब तक राधे श्याम की मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही सम्मनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की।

थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि मृतक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। घटना की वजह और हमलावरों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। वृद्ध की हत्या की घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस मामले से जुड़े हर पहलू की जांच कर रही है। परिजनों और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही घटना के कारणों और इसमें शामिल लोगों के बारे में स्थिति साफ हो सकेगी।

बारिश से बदला मौसम का मिजाज धान किसानों को मिली बड़ी राहत

रुक-रुककर हुई वर्षा से तापमान में गिरावट

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। रविवार सुबह से रुक-रुककर हो रही बारिश ने जिले के मौसम का मिजाज बदल दिया। पिछले कई दिनों से तेज धूप और उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को वर्षा से राहत मिली। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे वातावरण में ठंडक महसूस हुई। दिनभर मौसम सुहावना बना रहा और लोगों को गर्मी से राहत मिली। बारिश का असर ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिला। खेतों में नमी बढ़ने से धान की खेती कर रहे किसानों को राहत मिली है। किसानों का कहना है कि वर्षा से खेतों की मिट्टी में पर्याप्त नमी आ गई है। इससे सिंचाई पर होने वाला अतिरिक्त खर्च कम होगा और धान की रोपाई के काम में तेजी आएगी।

जिन किसानों के खेतों में धान की रोपाई अभी पूरी नहीं हो सकी थी, उनके लिए यह बारिश उपयोगी साबित हुई है। खेतों में नमी होने से रोपाई का काम आसान हो गया है। किसानों को उम्मीद है कि अब मौसम का साथ मिलने से धान की फसल की तैयारी बेहतर तरीके से हो सकेगी। कृषि कार्यों के लिए समय पर बारिश को महत्वपूर्ण माना जाता है। धान की खेती में खेतों में पर्याप्त नमी की जरूरत होती है। बारिश होने से किसानों को खेत तैयार करने और रोपाई पूरी करने में सुविधा मिलेगी। लगातार गर्मी और उमस के बीच हुई बारिश से आम लोगों को भी राहत मिली। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुककर बारिश होती रही।

संदेश : श्रद्धांजलि सभा में सामाजिक और व्यापारी हितों में किए गए कार्यों को किया गया याद

वृक्षारोपण कर मनाई गई व्यापारी नेता रामचंद्र जायसवाल की सातवीं पुण्यतिथि

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। दिवंगत समाजसेवी और व्यापारी नेता रामचंद्र जायसवाल की सातवीं पुण्यतिथि पर रविवार को शुकुल बाजार स्थित आवास पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके सामाजिक एवं व्यापारी हितों से जुड़े कार्यों को याद किया।

श्रद्धांजलि सभा में नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता सहित क्षेत्र के कई लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर दिवंगत रामचंद्र जायसवाल की स्मृति में वृक्षारोपण भी किया गया। लोगों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभा में मौजूद लोगों ने कहा कि रामचंद्र जायसवाल ने समाज और व्यापारियों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान लखनऊ विधायक डॉ. नीरज बोरा, व्यापारी नेता सुशील जायसवाल, नंदलाल जायसवाल, नवनीत मद्धेशिया और पूर्व जिला पंचायत सदस्य बलिराम गौतम सहित कई लोगों ने फोन के माध्यम से दिवंगत व्यापारी नेता के छोटे भाई जयप्रकाश जायसवाल और उनके पुत्र अधिवक्ता अमित रंजन जायसवाल के प्रति संवेदना व्यक्त की।

श्रद्धांजलि सभा में ब्लॉक प्रमुख टांडा सुरजीत वर्मा, रामप्यारे गौतम, अरुण कुमार मिश्र, अरविंद कुमार त्रिपाठी, आनंद कुमार, मुबारक खान और तारिक सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने दिवंगत व्यापारी नेता के योगदान को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने की बात कही।

हत्या मामले में सजा के बाद पूरी हुई कानूनी लड़ाई

रामचंद्र जायसवाल की 19 जुलाई 2019 को उनके कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद उनके परिवार ने न्याय के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। उनके छोटे भाई जयप्रकाश जायसवाल और पुत्र अधिवक्ता अमित रंजन जायसवाल ने मामले की पैरवी जारी रखी। बाद में इस मामले में शामिल आरोपियों को अदालत से उम्रकैद की सजा सुनाई गई। मुख्य आरोपी शिव प्रकाश मौर्य की बाद में मृत्यु हो चुकी है।

घर से गहने गायब होने का आरोप चचेरी बहन पर चोरी की शिकायत

जहांगीरगंज पुलिस को महिला ने दिया प्रार्थना पत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपनी चचेरी बहन पर घर में रखे गहने चोरी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला ने मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर थाना पुलिस के साथ पुलिस अधीक्षक और एसडीएम आलापुर को भी प्रार्थना पत्र दिया है।

बारीडीह सिकंदरपुर गांव निवासी ललिता पत्नी विनोद कुमार ने बताया कि उन्होंने अपने सोने-चांदी के आभूषण अपनी मां के पास सुरक्षित रखे थे। दिसंबर 2025 में उनकी मां दिल्ली चली गई थीं। इसी दौरान आरोप है कि उनकी चाची की बेटी खुशबू पत्नी रोहित, निवासी खपुरा थाना मालीपुर, घर पहुंची और बक्से में रखे गहने निकाल लिए। ललिता का आरोप है कि घटना के समय खुशबू की बेटी अंशिका ने अपनी मां को ऐसा करते देख लिया था। आरोप है कि जानकारी किसी को बताने पर अंशिका को डराया-धमकाया गया। इसके बाद खुशबू के ससुराल चले जाने पर अंशिका ने पूरी घटना की जानकारी ललिता को दी। ललिता के अनुसार, घर लौटने पर उन्होंने बक्से की जांच की तो उसमें रखे कई गहने गायब मिले। इनमें नथ, कान के बाले, मंगलसूत्र, नाक की कील, सोने की अंगूठी, हाथ के आभूषण, पायल, बिछिया समेत अन्य जेवर शामिल बताए गए हैं। इसके बाद महिला ने अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर मामले में जांच और कार्रवाई की मांग की। पीड़ित महिला ने पुलिस से गहने बरामद कराने और आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सम्पादकीय

सड़कों की डिजाइनिंग

इस निर्णय से बहुत संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि सड़क डिजाइनिंग की खामियों का आडिट करने वाली संस्थाओं से उनकी जिम्मेदारी छिनेगी और अब भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी रोड सेफ्टी आडिटर्स को ट्रेनिंग देगी। ऐसे किसी निर्णय पर तो पहले ही पहुंच जाना चाहिए था, क्योंकि न तो सड़कों की खराब डिजाइनिंग का सिलसिला थम रहा है और न ही इस कारण होने वाले हादसे। सड़कों की खराब डिजाइनिंग को रोकने की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर की जानी चाहिए थी, क्योंकि एक लंबे अर्से से यही सुनने को मिल रहा है कि बढ़ती मार्ग दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण सड़कों का खराब निर्माण और उनका डिजाइन सही न होना है। यह सामान्य बात नहीं कि सड़कों की खराब डिजाइनिंग के कारण होने वाली दुर्घटनाओं का प्रतिशत 60 से अधिक है। क्या यह एक त्रासदी नहीं कि भारतीय राजमार्ग प्राधिकरण अभी तक ऐसे उपाय नहीं कर सका कि सड़कों की डिजाइन में कहीं कोई खामी न रहे? कोशिश तो इसकी होनी चाहिए कि किसी भी सड़क के निर्माण में डिजाइनिंग की कमी देखने को न मिले। यदि यह सुनिश्चित किया जा सकता तो फिर सड़कों की डिजाइन की पड़ताल करने की नौबत ही नहीं आती और यदि आती भी तो बहुत कम।

लगता है अपने देश में किसी को इसकी परवाह ही नहीं कि सड़क निर्माण के मानक विश्वस्तरीय हों। यह कहना कठिन है कि सड़कों की सही डिजाइनिंग करने वाले योग्य लोगों की कमी है। आशंका यही है कि योग्य लोगों की पहचान और उन्हें प्रोत्साहित करने की परिपाटी विकसित नहीं हो सकी है। भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी रोड सेफ्टी आडिटर्स को ट्रेनिंग देने का कदम इसलिए उठाने जा रही है, क्योंकि आइआइटी दिल्ली, रुड़की के साथ केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान यानी सीआरआरआइ की ओर से सेफ्टी आडिटर को दिए जाने वाले प्रशिक्षण को अपर्याप्त पाया गया।

देखना है कि नई व्यवस्था अपेक्षित परिणाम दे पाएगी या नहीं, क्योंकि इसे लेकर सुनिश्चित नहीं हुआ जा सकता कि जो काम आइआइटी दिल्ली, रुड़की के साथ सीआरआइआइ नहीं कर सकी, वह भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी कर लेगी। बहुत संभव है कि वह बाहरी विशेषज्ञों और सलाहकारों की सहायता ले। इससे एक नई व्यवस्था तो आकार ले लेगी, लेकिन यह कहना कठिन है कि इससे समस्या का निदान भी हो जाएगा।

पिछले कुछ समय से यह देखने को मिल रहा है कि विभिन्न मंत्रालय और सरकारी विभाग विशेषज्ञ सलाहकारों की सेवाएं ले रहे हैं। कई बार तो ये सलाहकार ही संबंधित विभाग को निर्देशित और नियंत्रित करने लगते हैं। यदि सब कुछ सलाहकारों के हिसाब से और उनके ही जरिये होने वाला है तो फिर सरकारी अमला किसलिए है? आखिर वह अपने कार्यों के लिए जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया जाता? यह वह यक्ष प्रश्न है, जिसका उत्तर सामने आना ही चाहिए।

संसद का मानसून सत्रः हंगामे नहीं समाधान का संकल्प बने

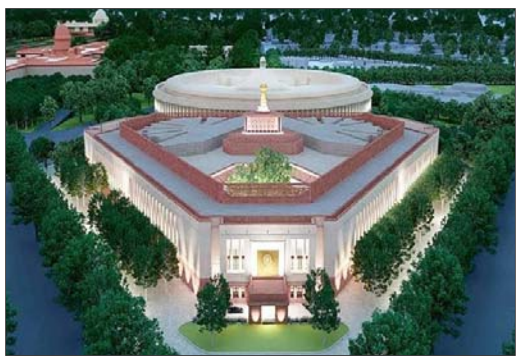

> भारतीय जनता पार्टी का यह दावा रहा है कि वह विकास, सुशासन और नीति आधारित राजनीति में विश्वास रखती है। यदि ऐसा है तो उसे विपक्ष द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देने में संकोच नहीं होना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा बल उसकी संसद है। यही वह मंच है जहां देश की आकांक्षाएं, समस्याएं और भविष्य की दिशा तय होती है। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, जवाबदेही और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च मंच है। ऐसे में 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा संसद का मानसून सत्र केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परिपक्वता की नई परीक्षा भी है। देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निर्णयों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखाई दिए हैं। सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं; उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है। इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। इन पर संसद में गंभीर चर्चा होना लोकतंत्र की आवश्यकता भी है और जनता का अधिकार भी। लेकिन यदि ये विषय केवल राजनीतिक नारेबाजी का माध्यम बनकर रह जाएं, तो उनका उद्देश्य समाप्त हो जाएगा। संसद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। उसका दायित्व केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना भी है। स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आंख और कान दोनों होता है। यदि वह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित हो जाए, तो उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। दूसरी ओर सरकार भी यदि विपक्ष के प्रत्येक प्रश्न को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर संवाद से बचती है, तो लोकतंत्र का संतुलन कमजोर पड़ता है। इसलिए सत्ता और विपक्ष, दोनों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। मानसून सत्र में यदि शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होती है तो उसका केंद्र छात्रों का भविष्य होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक लाभ। यदि महंगाई पर बहस हो तो उसका उद्देश्य आम नागरिक को राहत देने वाली नीतियों पर विचार होना चाहिए। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति अथवा सीमा संबंधी विषय उठते हैं तो उनमें दलगत राजनीति के बजाय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद की बहस तब सार्थक कही जाएगी, जब उससे नीति निर्माण की दिशा निकले और जनता को यह विश्वास हो कि उसकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो रहा है। लोकतंत्र में बहस और असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। किंतु जब असहमति का स्थान अवरोध ले लेता है और बहस की जगह बहिष्कार आ जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि संसद को चलाना ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। संसद का ठप होना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की हार है। इस समय देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, किसानों को बेहतर आय की अपेक्षा है, मध्यम वर्ग महंगाई से परेशान है, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी विकास गति बनाए रखनी है। ऐसे समय संसद से जनता समाधान चाहती है, संघर्ष नहीं। यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव में बीत गया तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक का होगा, जिसकी आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए।

संसद की गरिमा केवल अध्यक्ष की कुर्सी या ऐतिहासिक भवन से नहीं बनती, बल्कि वहां बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के आचरण से बनती है। सांसदों को यह स्मरण रखना चाहिए कि वे केवल अपने दल के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। संसद में उनका प्रत्येक शब्द और प्रत्येक व्यवहार लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बनता है। इसलिए व्यक्तिगत आरोपों और कटुता के स्थान पर तथ्यों, तर्कों और नीति आधारित विमर्श को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि केवल नारे लगाने अथवा कार्यवाही बाधित करने से जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उसे वैकल्पिक नीतियां, ठोस सुझाव और रचनात्मक आलोचना प्रस्तुत करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की सफलता संसद की सफलता से जुड़ी होती है। आज सूचना क्रांति के युग में जनता सब कुछ देख और समझ रही है। संसद में कौन बहस कर रहा है, कौन केवल राजनीतिक प्रदर्शन कर रहा है और कौन जनहित के प्रश्न उठा रहा है, इसका मूल्यांकन मतदाता स्वयं करता है। इसलिए अब केवल प्रतीकात्मक राजनीति से काम नहीं चलेगा। जनप्रतिनिधियों को अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करना होगा। दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि संसद राष्ट्र के विवेक की आवाज होती है। यदि यही विवेक शोर में दब जाए तो लोकतंत्र का मार्ग भी धुंधला पड़ जाता है। इसलिए मानसून सत्र को ऐसे अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां सत्ता और विपक्ष मिलकर यह संदेश दें कि लोकतंत्र की असली शक्ति संवाद, सहमति और सार्थक बहस में निहित है। किसी भी आदर्श एवं मजबूत लोकतंत्र की अपेक्षा है विपक्ष का समक्ष एवं सकारात्मक सक्रिय होना। क्योंकि विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। जनता का दबाव ही विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुपता की राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए।

ललित गर्ग

लोकतंत्र में असहमति...

बाबूलाल नागा

लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब संवाद जीवित रहेगा

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। यहां विचारों की भिन्नता है, मतों की विविधता है और असहमति व्यक्त करने की संवैधानिक स्वतंत्रता भी है। यही कारण है कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है। लेकिन लोकतंत्र केवल चुनावों से जीवित नहीं रहता। उसकी वास्तविक शक्ति सरकार और जनता के बीच निरंतर संवाद, पारदर्शिता और विश्वास में निहित होती है। जब संवाद कमजोर पड़ता है, तब टकराव की स्थिति पैदा होती है।

नई दिल्ली का जंतर-मंतर लंबे समय से लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का प्रमुख मंच रहा है। यहां देश के विभिन्न वर्ग समय-समय पर अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन और भूख हड़ताल करते रहे हैं। यह परंपरा बताती है कि लोकतंत्र में नागरिकों के पास अपनी बात रखने का अधिकार है और सरकार के पास उसे सुनने की जिम्मेदारी। यही लोकतांत्रिक संतुलन किसी भी राष्ट्र की मजबूती का आधार होता है। आज एक बार फिर जंतर-मंतर चर्चा के केंद्र में है। यहां जारी धरना और भूख हड़ताल ने केवल संबंधित मांगों को ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है—क्या लोकतंत्र संवाद से चलेगा

या टकराव से? भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार प्रदान करता है। यह अधिकार केवल कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति का आधार है। जब नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, तो इसे केवल विरोध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह शासन व्यवस्था के लिए एक संकेत भी होता है कि समाज के किसी वर्ग की चिंताओं पर गंभीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है।

लोकतंत्र में असहमति कोई अपराध नहीं है। असहमति लोकतंत्र की स्वाभाविक और आवश्यक प्रक्रिया है। यदि सभी लोग एक ही विचार रखें तो लोकतंत्र का महत्व ही समाप्त हो जाएगा। इसलिए लोकतंत्र की परिपक्वता इस बात से मापी जाती है कि वह विरोध और आलोचना को किस दृष्टि से देखता है। जो व्यवस्था विरोध को सुनने और समझने का साहस रखती है, वही लंबे समय तक जनता का विश्वास बनाए रख पाती है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि भारत के अधिकांश बड़े सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों का समाधान अंततः संवाद से ही निकला है। चाहे स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न चरण हों, सामाजिक सुधारों के प्रयास हों या हाल के वर्षों के अनेक जनआंदोलन—स्थायी समाधान बातचीत और सहमति से ही संभव हुए हैं। टकराव तत्काल राजनीतिक लाभ दे सकता है, लेकिन वह समाज में विश्वास की खाई भी गहरी कर देता है। इसके विपरीत संवाद मतभेदों को समाप्त नहीं करता, बल्कि उन्हें समझने और स्वीकार्य समाधान तक पहुँचने का रास्ता तैयार करता है। सरकार किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है, लेकिन लोकतंत्र केवल सरकार का नाम नहीं है। इसमें नागरिक, सामाजिक संगठन, मीडिया, न्यायपालिका और अन्य लोकतांत्रिक संस्थाएं भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसलिए किसी भी आंदोलन को केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। यह लोकतांत्रिक सहभागिता का भी विषय है। सरकार का दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सुने, जबकि आंदोलनों की जिम्मेदारी है कि वे संविधान और कानून की मर्यादाओं के भीतर रहकर अपनी बात रखें। भूख हड़ताल जैसे आंदोलन लोकतंत्र में नैतिक आग्रह के प्रतीक माने जाते हैं। इनका उद्देश्य किसी पर दबाव बनाना नहीं, बल्कि समाज और शासन की संवेदनशीलता को जगाना होता है। ऐसे आंदोलनों को केवल राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय उनके सामाजिक और लोकतांत्रिक संदेश को भी समझना आवश्यक है।

विनय धर्म का मूल हैं

ज्ञान से जीवन का पथ आलोकित बनता है। ज्ञान का सूरज हर कदम पर साथ चलता है पर अहंकार का राहू जब उसे डस लेता है तो सूरज भी भरी दुपहरी मे सबकुछ धुंधला लगता है। हमारे सामने यह प्रश्न आ सकता है कि क्यों करें विनय ? क्योंकि प्रत्येक कार्य के करने के पीछे एक प्रयोजन होता हैं । यदि हम विनय के बारें में बात करें तो विनय अहंकार पर चोट पहुंचाने का एक उपाय हैं । विनय का विरोधी तत्त्व अहंकार हैं । अतः विनय, मान कषाय को नष्ट करने, कृष करने का एक उपाय हैं । अहंकार का अभाव और साथ में नम्रता का प्रयोग विनय हैं । कहा गया हैं कि निर्बाध और अखण्ड सुख पाना है तो मोक्ष को पाना आवश्यक हैं । चारित्र के पालन से मोक्ष की प्राप्ति हो जाती हैं । दर्शन और श्रद्धा अच्छी होने पर चारित्र का पालन हो सकेगा । दर्शन की प्राप्ति ज्ञान प्राप्त करने में से हो सकती हैं और ज्ञान विनय से प्राप्त होता हैं । अतः विनय से ज्ञान, ज्ञान से दर्शन, दर्शन से चारित्र और चारित्र से मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती हैं । मोक्ष मिल जाने से निर्बाध सुख की प्राप्ति हो सकेगी । अभिमान पतन की ओर ले जाता हैं । विनय से ही विद्या शोभित होती हैं ।उद्दंडता , पारस्परिक कलह आदि जिस परिवार में होता हैं वहां अशांति का वास होता हैं । अशांति के कारण भी आवेश और अविश्वास हैं । वह जो अहंकार आवेश से दूर रहते हैं उनके जीवन में भरपूर शांति हो सकती । निरहंकारिता कल्याणकारी है । विनय मूल धर्म मंगलकारी है । अतः विनय को शाश्वत सुख की आधारशिला के रूप में देखा जा सकता हैं । धर्म का मूल विनय को बताया गया हैं । अहंकार शून्यता और साथ में विनम्रता आ जाए तो यह विनय होता हैं । संस्कृत के एक शलोक में कहा गया हैं कि जो अभिवादनशील हैं, हमेशा वृद्धों की सेवा करने वाला और निकट रहने वाला व्यक्ति हैं, उसके चार बातों का विकास होता हैं - आयुष्य लंबा होता हैं, विद्या बढ़ती हैं, यश फैलता हैं और शक्ति बढ़ती हैं । विनय नम्रता का प्रयोग हैं और अभिवादन करने से भी नम्रता झलकती हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

प्रदेश सरकार की किसान-हितैषी नीतियों से शाहजहाँपुर में समृद्धि की ओर बढ़ते गन्ना किसान

उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास में गन्ना फसल की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमि और तकनीक-आधारित व्यवस्थाओं के परिणामस्वरूप आज गन्ना उत्पादक किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समयबद्ध रूप से प्राप्त हो रहा है। शाहजहाँपुर जनपद में गन्ना विकास, तकनीकी आधुनिकीकरण और मूल्य भुगतान के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। इस सफलता से जहां एक ओर कृषकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, वहीं दूसरी ओर पूरे जनपद की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई और सकारात्मक गति मिली है। शाहजहाँपुर जनपद में गन्ने की खेती का दायरा अत्यंत व्यापक है और वर्तमान में यहाँ लगभग 1,03,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ने का आच्छादन है। गन्ना विकास विभाग द्वारा रोजा, निगोही, पुवायाँ एवं तिलहर स्थित चार गन्ना विकास परिषदों के माध्यम से प्रदेश सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। जनपद में संचालित सहकारी गन्ना विकास समिति रोजा एवं पुवायाँ तथा चीनी मिल समिति तिलहर के माध्यम से लगभग 1.96 लाख गन्ना आपूर्तिकर्ता कृषक सदस्यों को खाद, बीज एवं अन्य कृषि निवेश समय से उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे कृषि कार्य सुगम और लागत-प्रभावी हुआ है।

जनपद में वर्तमान में कुल पाँच चीनी मिलें पूरी क्षमता के साथ संचालित हो रही हैं, जिनमें तिलहर एवं पुवायाँ सहकारी क्षेत्र की तथा निगोही, रोजा एवं मकसूदापुर निजी क्षेत्र की चीनी मिलें शामिल हैं। प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के सतत मार्गदर्शन व समन्वय से ये सभी चीनी मिलें गन्ना किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रमुख केंद्र बन चुकी हैं। जनपद में गन्ना खरीद से लेकर तौल और मूल्य भुगतान तक की संपूर्ण प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी और सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है, जिससे किसानों का मिलों के प्रति विश्वास और भी अधिक गहरा हुआ है। पेराई सत्र 2025-26 के दौरान शाहजहाँपुर जनपद की चीनी मिलों पर कुल 1029.11 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य देय हुआ, जिसके सापेक्ष अब तक 923.60 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे कृषकों के बैंक खातों में किया जा चुका है। यह रिकॉर्ड राशि कुल देय गन्ना मूल्य का 89.75 प्रतिशत है, जो जनपद में भुगतान व्यवस्था की उत्कृष्टता को प्रमाणित करती है। विशेष रूप से जनपद की निगोही, रोजा, तिलहर एवं पुवायाँ चीनी मिलों द्वारा कृषकों के शत-प्रतिशत गन्ना मूल्य का भुगतान पूरा कर दिया गया है। यह उपलब्धि प्रदेश सरकार की स्पष्ट नीति और जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। गन्ना मूल्य भुगतान में हुई इस ऐतिहासिक तेजी का मुख्य श्रेय प्रदेश सरकार द्वारा सख्ती से लागू की गई श्एस्क्रो अकाउंटश् व्यवस्था को जाता है। इस नवीन और पारदर्शी व्यवस्था के अंतर्गत चीनी मिलों द्वारा चीनी बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि का एक निश्चित हिस्सा केवल और केवल गन्ना मूल्य भुगतान के लिए सुरक्षित रखा जाता है। इस खाते से डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में धनराशि स्थानांतरित की जाती है, जिससे मध्यस्थता पूरी तरह समाप्त हो गई है। इसके साथ ही, किसानों की बढ़ती उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर राज्य परामर्शित मूल्य (एसएपी) में की गई लाभकारी वृद्धि से कृषकों की आय में निरंतर और स्थायी इजाफा हुआ है।

जरा हटके

समग्र कार्रवाई के...

आशिया खातून

प्रदेश सरकार ने विशेष प्रवर्तन अभियान से पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर निर्माण इकाइयों पर कसा शिकंजा

स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल स्वस्थ जीवन की पहली आवश्यकता है। आज के समय में बढ़ते शहरीकरण, बदलती जीवनशैली और स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर का उपयोग तेजी से बढ़ा है। घरों से लेकर विद्यालयों, अस्पतालों, कार्यालयों, होटल, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक आयोजनों तक बड़ी संख्या में लोग पैकेज्ड पेयजल पर निर्भर हैं। ऐसे में यह सुनिश्चित करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन जाती है कि बाजार में उपलब्ध प्रत्येक पानी की बोतल और जार गुणवत्ता के निर्धारित मानकों पर पूरी तरह खरा उतरे तथा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित हो।

पेयजल की गुणवत्ता से समझौता किया जाए तो उसके दुष्परिणाम केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। दूषित पानी अनेक जलजनित रोगों का कारण बनता है और जनस्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती उत्पन्न करता है। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश सरकार ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के माध्यम से पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर निर्माण इकाइयों के विरुद्ध व्यापक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि जनस्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के सभी मंडलों में अंतर्जनपदीय विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किया। इस अभियान के अंतर्गत मंडलीय सहायक आयुक्त (खाद्य) के नेतृत्व में विशेष निरीक्षण दल गठित किए गए, जिन्होंने विभिन्न जनपदों में संचालित पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर निर्माण इकाइयों का व्यापक एवं वैज्ञानिक निरीक्षण किया। अभियान केवल औपचारिक जांच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्पादन प्रक्रिया, स्वच्छता, गुणवत्ता नियंत्रण,

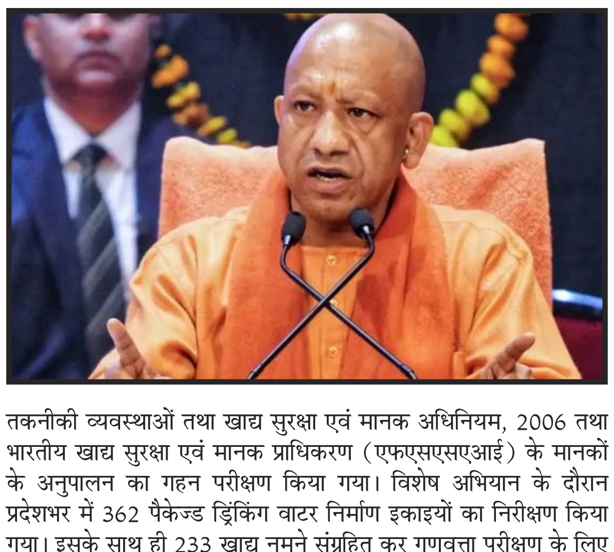

तकनीकी व्यवस्थाओं तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मानकों के अनुपालन का गहन परीक्षण किया गया। विशेष अभियान के दौरान प्रदेशभर में 362 पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही 233 खाद्य नमूने संग्रहित कर गुणवत्ता परीक्षण के लिए अधिकृत प्रयोगशालाओं में भेजे गए। इन नमूनों की वैज्ञानिक जांच के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बाजार में उपलब्ध पेयजल निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है या नहीं। यदि परीक्षण में किसी प्रकार की कमी अथवा मिलावट पाई जाती है तो संबंधित इकाइयों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान अनेक निर्माण इकाइयों में विभिन्न प्रकार की अनियमितताएं सामने आईं। 56 निर्माण इकाइयों को सुधार सूचना जारी करते हुए निर्धारित समय के भीतर कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए। इस व्यवस्था का उद्देश्य ऐसे संचालकों को सुधार का अवसर देना है जो निर्धारित मानकों का पालन करने के लिए आवश्यक परिवर्तन करने के इच्छुक हैं। वहीं दूसरी ओर गंभीर मामलों में विभाग ने बिना किसी शिथिलता के कठोर कार्रवाई भी सुनिश्चित की। अभियान के दौरान यह भी पाया गया कि 38 निर्माण इकाइयां लंबे समय से बंद थीं, जबकि 21 इकाइयां स्थापना प्रक्रिया में थीं। इसके अतिरिक्त 38 इकाइयों द्वारा अपने लाइसेंस सरेंडर कर दिए गए थे। यह तथ्य इस बात को भी दर्शाता है कि विभाग केवल अभिलेखों के आधार पर कार्य नहीं कर रहा, बल्कि प्रत्येक इकाई की वास्तविक स्थिति का भौतिक सत्यापन भी सुनिश्चित कर रहा है।

गुणवत्ता मानकों के गंभीर उल्लंघन के मामलों में 41 निर्माण इकाइयों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। संबंधित इकाइयां निर्धारित मानकों का पालन किए बिना उत्पादन कार्य पुनः प्रारंभ नहीं कर सकेंगी। यह कार्रवाई स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि खाद्य सुरक्षा के मामलों में सरकार की नीति पूरी तरह 'जीरो टॉलरेंस' पर आधारित है। अभियान का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी रहा कि 57 निर्माण इकाइयों ने निरीक्षण से बचने के उद्देश्य से अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए। विभाग ने ऐसी सभी इकाइयों पर नोटिस चस्पा कर उन्हें सील कर दिया तथा स्पष्ट निर्देश जारी किए कि विभागीय निरीक्षण एवं अनुमति प्राप्त किए बिना उत्पादन दोबारा प्रारंभ नहीं किया जा सकेगा। यह कार्रवाई उन इकाइयों के लिए भी सख्त संदेश है जो नियमों से बचने का प्रयास करती हैं।

निरीक्षण के दौरान 37 निर्माण इकाइयों में गंभीर कमियां पाए जाने पर उनका उत्पादन तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया। इन कमियों में उत्पादन स्थल पर स्वच्छता का अभाव, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली में लापरवाही, तकनीकी उपकरणों की अनुपयुक्त स्थिति तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन जैसी गंभीर अनियमितताएं शामिल थीं। ऐसी परिस्थितियों में उत्पादन जारी रहना सीधे तौर पर उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता था।

समग्र कार्रवाई के अंतर्गत विभाग ने 293 किलोलीटर पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर को जब्त (सीज) किया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 5.06 लाख रुपये आंकी गई। निरीक्षण के दौरान निर्माण परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया। खाद्य एवं पेय पदार्थों के निर्माण में स्वच्छ वातावरण सबसे महत्वपूर्ण आधार होता है। यदि उत्पादन स्थल पर साफ-सफाई के मानकों का पालन नहीं किया गया तो पानी में हानिकारक सूक्ष्मजीव, बैक्टीरिया अथवा अन्य अशुद्धियों के प्रवेश की संभावना बढ़ जाती है, जो उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं।

युवक को फेसबुक पर यूके की महिला बनकर फंसाया, दिल्ली में ड्रग्स के साथ पकड़ा गया

68 लाख ठगने वाला नाइजीरियन गिरफ्तार

शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

मामले की जांच के दौरान एसटीएफ ने 15 मई 2026 को नाइजीरियाई नागरिक उचेनवा को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। पूछताछ और तकनीकी जांच में उसके साथी ओबासे प्रॉस्पर का नाम सामने आया, जो फरार चल रहा था।

लखनऊ । लखनऊ के डालीगंज निवासी युवक से 68 लाख की ठगी करने वाले नाइजीरियन नागरिक को यूपी एसटीएफ ने दिल्ली से शनिवार को गिरफ्तार किया है। उसने फेसबुक पर ब्रिटेन की महिला बनकर युवक को प्रेमजाल में फंसाया था। बाद में कस्टम-इनकम टैक्स के नाम पर रुपए ऐंठ लिए थे। आरोपी के पास से 5.085 किलोग्राम मेथामफेटामाइन बरामद हुई है, जिसकी कीमत 10 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। आरोपी साइबर ठगी के साथ ड्रग्स तस्करी में भी शामिल था। एसटीएफ उसे अंतरराष्ट्रीय नाइजीरियन गिरोह का सदस्य मान रही है। एसटीएफ साइबर टीम आरोपी की तलाश में दिल्ली पहुंची। इस दौरान सूचना मिली कि ओबासे प्रॉस्पर साइबर ठगी के साथ मादक पदार्थों की तस्करी भी करता है। इसके बाद एनसीबी दिल्ली जोनल यूनिट के साथ संयुक्त छापेमारी की गई। कार्रवाई में आरोपी के कब्जे से 5.085 किलोग्राम मेथामफेटामाइन, पांच मोबाइल फोन और दो पासपोर्ट बरामद किए गए। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10 करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह वर्ष 2023 में मेडिकल वीजा पर भारत आया था। वीजा समाप्त होने के बाद भी वह दिल्ली में अवैध रूप से रह रहा था। यहीं उसकी मुलाकात अन्य नाइजीरियाई नागरिकों से हुई और वह सोशल मीडिया के जरिए साइबर ठगी तथा ड्रग्स तस्करी के नेटवर्क से जुड़ गया।

डालीगंज के युवक की शिकायत से खुला पूरा नेटवर्क

एसटीएफ के अनुसार, डालीगंज निवासी युवक की फेसबुक पर ₹डोरिस विलियम₹ नाम की प्रोफाइल से दोस्ती हुई। प्रोफाइल चलाने वाले गिरोह ने खुद को ब्रिटेन की महिला बताया और धीरे-धीरे युवक को प्रेमजाल में फंसा लिया। इसके बाद महंगे गिफ्ट, डॉलर और पाउंड भेजने का झांसा दिया गया।

कुछ दिन बाद गिरोह के सदस्य खुद को कस्टम अधिकारी, इनकम टैक्स अधिकारी और जीएसटी अधिकारी बताकर संपर्क करने लगे। उन्होंने पार्सल छुड़ाने और टैक्स जमा कराने के नाम पर किश्तों में करीब 68 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित ने बाद में मदेयगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया।

ऐसे चलाता था अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड

एसटीएफ के मुताबिक गिरोह फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर अमेरिका और ब्रिटेन के नागरिकों के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाता था। इसके बाद भारतीय युवक-युवतियों से दोस्ती कर उन्हें प्रेमजाल में फंसाया जाता था। महंगे गिफ्ट और विदेशी मुद्रा भेजने का झांसा देकर बाद में कस्टम, इनकम टैक्स और एयरपोर्ट अधिकारियों के नाम पर लाखों रुपए वसूले जाते थे।

राजधानी से गोंडा तक फैला नकली दवाओं का नेटवर्क

राजस्थान से जुड़ा मास्टरमाइंड, 21 लाख की दवाएं सीज

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) ने लखनऊ पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में नकली और अवैध दवाओं के अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा किया है। अमीनाबाद, बीकेटी और गोंडा में हुई छापेमारी के दौरान लाखों रुपये की संदिग्ध दवाएं बरामद हुईं। जांच में नेटवर्क की कड़ी राजस्थान तक जुड़ी मिली है। मामले में आठ आरोपियों के खिलाफ एफआईआर की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

एफएसडीए के औषधि निरीक्षक संदेश मौर्य और विवेक कुमार सिंह ने 8 और 9 जुलाई को लखनऊ पुलिस के साथ अमीनाबाद स्थित एक अवैध गोदाम पर छापा मारा।

यहां बड़ी मात्रा में एलोपैथिक दवाओं का अवैध भंडारण मिला। जांच के दौरान कई नामी कंपनियों की दवाओं के लेबल पर प्रिंटिंग और स्पेलिंग की गंभीर खामियां मिली, जिससे उनके नकली होने की आशंका जताई गई। कार्रवाई के दौरान 27 संदिग्ध दवाओं के नमूने लेकर सरकारी प्रयोगशाला भेजे गए हैं। शेष दवाओं को न्यायालय की अनुमति के बाद सील कर दिया गया। अमीनाबाद से सीज की गई दवाओं की अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपये बताई गई है।

राजस्थान से जुड़ा नेटवर्क

एफएसडीए की जांच में सामने आया कि यह संगठित नेटवर्क राजस्थान से संचालित हो रहा था। आरोप है कि राजस्थान निवासी भूपेंद्र शर्मा और गुर्जर नकली दवाओं का निर्माण कर उत्तर प्रदेश में सप्लाई करते थे। जांच में प्रयागराज के वीरू सिंह चौहान, लखनऊ के राज विक्रम सिंह, गोंडा के अमन कसौधन, सीतापुर के रिहान, वाराणसी के मिश्रा और अमीनाबाद के रंजीत सिंह जुल्का की भूमिका भी सामने आई है।

फास्ट न्यूज

लाठी और रॉड से पीटकर अधमरा किया

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरानगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति से रंगदारी मांगी गई। जब उसने मना किया, तो उसे लाठी और रॉड से पीटकर अधमरा कर दिया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उसे 8-10 लोगों ने घेरकर पीटा है। जब वह बेहोश होकर गिर पड़ा तो उसे मरा समझकर सभी आरोपी वहां से भाग गए। पीड़ित ने 4 नामजद समेत 8 से 10 लोगों पर असलहे, डंडे और रॉड से हमला करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

लखनऊ के लाजपतराय नगर में धंसी सड़क

लखनऊ। लाजपतराय नगर में स्वामी विवेकानंद पार्क के पास सड़क धंसने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे दो हजार से अधिक की आबादी प्रभावित है। सड़क पर आवाजाही के दौरान दुर्घटना हो रही है। लोग गिर पड़ रहे। मामले में लोगों ने कई बार शिकायत की है,लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। इसपर स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय पर इसे सही नहीं किया गया तो बड़ा धरना प्रदर्शन करेंगे। गड्ढा होने के साथ में सड़क पर कीचड़ भी पसरा हुआ है।

बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के गहने, हजारों की नगदी और अन्य कीमती सामान चुरा लिया। घटना की जानकारी होने के बाद पीड़ित ने दो अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर थाना क्षेत्र की ओमैक्स सिटी निवासी अविरल सिंह एक सीमेंट कंपनी में कार्यरत हैं।

प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षणार्थी कर सकेंगे फूड प्रोसेसिंग का कार्य

कृषकों को खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र दिया जा रहा है प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

- राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्रों एवं सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों पर दिया जा रहा प्रशिक्षण
- प्रशिक्षित लोग अपनी यूनिट लगाकर उठाएं अनुदान व अन्य सुविधाओं का लाभ

लखनऊ। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जिलों में स्थापित राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्रों एवं सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में विभाग द्वारा जिलों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रशिक्षण कार्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं।

इन केन्द्रो पर युवक/युवतियों व कृषकों खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र प्रशिक्षण दिया जाता है। उप मुख्यमंत्री ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह प्रभावी कार्ययोजना व रूपरेखा तैयार कर इच्छित नवयुवकों, नवयुवतियों व किसानों को विभिन्न विधाओं मेबेहतर से बेहतर प्रशिक्षण दिलाना सुनिश्चित करें।प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण कार्यो की लगातार निगरानी भी जाय और प्रशिक्षण प्राप्त करने पर प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार से जोड़ने के प्रभावी प्रयास किए जाएं। प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रशिक्षणार्थी फूड प्रोसेसिंग का कार्य कर अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगे प्रशिक्षित लोग अपनी यूनिट लगाकर अनुदान व अन्य सुविधाओं का लाभ भी ले सकेंगे।

बच्ची से स्कूल वैन ड्राइवर ने रेप किया

थाने में आरोपी को देखकर रो पड़ी, बोली- अंकल गंदी हरकत करते थे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में नर्सरी में पढ़ने वाली चार साल की बच्ची से स्कूल वैन ड्राइवर ने रेप किया। शनिवार को बच्ची की तबीयत खराब हो गई। माता-पिता अस्पताल पहुंचे तो जांच में दरिंदगी का पता चला।

मां ने मासूम से पूछा तो उसने आरोपी की हरकतों के बारे में बताया। परिवार बच्ची को लेकर थाने पहुंचा। पूरी बात बताई। पुलिस तुरंत आरोपी को पकड़कर थाने ले आई। उसे देखते ही बच्ची सहम गई और रोने लगी।

आरोपी की तरफ इशारा करते हुए बताया- अंकल ने गंदी हरकत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी गिरीश मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। घटना राजधानी के तालकटोरा इलाके के प्राइवेट स्कूल की है।

डीसीपी वेस्ट कमलेश दीक्षित ने बताया-डीसीपी वेस्ट कमलेश दीक्षित ने बताया- तालकटोरा थाना क्षेत्र में नर्सरी में पढ़ने वाली 4 साल की बच्ची को उसके पिता रोज स्कूल छोड़ने जाते थे। बच्ची स्कूल से वैन से लौटती थी। 17 तारीख को वैन ड्राइवर ने उसके साथ छेड़खानी और दुराचार की कोशिश की। यह जानकारी उसने घर आकर दी। घरवालों की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। बच्ची का मेडिकल कराया गया और आरोपी गिरीश मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। जरूरी कार्रवाई की जा रही है। लखनऊ में पिछले साल 2025 में भी जुलाई में ही एक 4 साल की बच्ची का स्कूल वैन ड्राइवर ने रेप किया था। बच्ची रोते हुए घर पहुंची। मां के पूछने पर मासूम ने बताया- स्कूल से लौटते समय वैन वाले अंकल ने गंदी हरकत की।

आरोपी बोला- मैंने बच्ची के साथ गलत हरकत की

आरोपी ने पुलिस से पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि बच्चों को वैन में बैठाने-उतारने के दौरान बच्ची के साथ गलत हरकत की थी। वह 20 साल से ड्राइवरी का काम कर रहा है। अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग संस्थानों के लिए गाड़ी चला चुका है। बच्ची के स्कूल में कब से गाड़ी चला रहा। यह उसने नहीं बताया।

बच्ची के माता-पिता प्राइवेट नौकरी करते हैं, आरोपी उन्नाव का रहने वाला

बच्ची के माता-पिता राजाजीपुरम में रहते हैं। प्राइवेट नौकरी करते हैं। मां ने बताया- बेटी को उसके पापा स्कूल भेजने जाते थे। लौटते समय वह वैन से घर आती थी। वैन उन्नाव का गिरीश मिश्रा चलाता था। शुक्रवार को बेटी स्कूल से घर आई तो काफी डरी-सहमी थी। उसकी तबीयत भी ठीक नहीं थी। उस समय मैंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। शनिवार को बच्ची की तबीयत खराब हो गई। उसे बुखार के साथ-साथ पेट दर्द हो रहा था। मैं पति के साथ बेटी को अस्पताल ले गई। डॉक्टरों की जांच में सामने आया कि बच्ची के साथ रेप हुआ है। यह सुनकर हम लोगों के होश उड़ गए। पूछने पर बेटी ने वैन ड्राइवर के बारे में बताया।

आरोपी गिरीश मिश्रा को तालकटोरा थाना पुलिस ने हवालात में बंद कर दिया है।

प्राचीन स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से जुड़ेगी काशी : ए. के. शर्मा

नवाचार और तकनीक से होगी काशी में बेहतर क्राउड मैनेजमेंट व्यवस्था

तमसा संकेत, संवाददाता

सस्टेनेबल सिटी चैलेंज से काशी में आधुनिक शहरी प्रबंधन को मिलेगी नई दिशा

काशी की विरासत के साथ आधुनिक मोबिलिटी समाधान विकसित करना समय की आवश्यकता

-ए. के. शर्मा

लखनऊ। काशी के ऐतिहासिक एवं प्राचीन स्वरूप को संरक्षित रखते हुए भीड़ प्रबंधन और सतत शहरी परिवहन (सस्टेनेबल मोबिलिटी) के प्रभावी समाधान विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए होटल क्लार्क में ₹सस्टेनेबल सिटीज चैलेंज₹ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा रहे।अपने संबोधन में मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने कहा कि काशी विश्व के प्राचीनतम जीवंत शहरों में से एक है, जिसकी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक पहचान पूरी दुनिया में अद्वितीय है। इस गौरवशाली विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए नागरिकों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आधुनिक एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के काशी से सांसद बनने के बाद शहर में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। सड़क, घाट, पर्यटन, आधारभूत संरचना तथा नागरिक सुविधाओं में व्यापक परिवर्तन आया है, जिससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ी है। इसके साथ ही क्राउड मैनेजमेंट और सुगम आवागमन जैसी नई चुनौतियां भी सामने आई हैं, जिनका समाधान आधुनिक तकनीक, डेटा आधारित प्रबंधन और नवाचारों के माध्यम से किया जाना आवश्यक है। शर्मा ने कहा कि काशी की पहचान उसकी प्राचीन संस्कृति, संकरी गलियों और धार्मिक विरासत से है। इसलिए विकास का प्रत्येक मॉडल ऐसा होना चाहिए जो विरासत संरक्षण और आधुनिक नगरीय प्रबंधन के बीच संतुलन स्थापित करे। उन्होंने कहा कि नवीन तकनीकों, स्मार्ट मोबिलिटी समाधानों और जनभागीदारी के माध्यम से काशी को विश्वस्तरीय, सुरक्षित और सुगम शहर के रूप में विकसित किया जा सकता है।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सस्टेनेबल सिटीज चैलेंज जैसे कार्यक्रम विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और प्रशासन के बीच विचार-विमर्श का सशक्त मंच बनेंगे तथा इनके माध्यम से प्राप्त सुझाव भविष्य में काशी के भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और सतत शहरी विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

त्र्यंबकेश्वर दर्शन करने गए डॉक्टर के घर चोरी

लखनऊ में 40-50 लाख के जेवर-नकदी गायब

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। गोमतीनगर थाना क्षेत्र स्थित विराम खंड में चोरों ने एक डॉक्टर के बंद मकान में चोरी की। चोरों ने घर से 40-50 लाख रुपए के जेवर, नकदी और बैंक से जुड़े अहम दस्तावेज चोरी कर लिए। उसके बाद जाते समय लॉकर की चाबी भी निकाल ले गए। डॉक्टर परिवार के साथ त्र्यंबकेश्वर महादेव दर्शन करने नासिक गए हुए थे।

पीड़ित डॉ. निशांत जायसवाल के मुताबिक, कासगंज एटा में मेडिकल ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। वह इस वक्त छुट्टी पर लखनऊ आए हुए थे। पत्नी और बेटे यहीं रहते हैं। 12 जुलाई को परिवार के साथ नासिक त्र्यम्बकेश्वर महादेव दर्शन करने गए थे। रविवार सुबह करीब 8 बजे घर पहुंचे तो चोरी की जानकारी हुई। चोरों ने घर की

अलमारी और दोनों बेड के बॉक्स खंगाल दिए। घर से सोने की चार चूड़ियां, 10 जोड़ी बालियां, सात अंगूठियां, तीन चेन, छह जोड़ी चांदी की पायल, चांदी का लोटा, चांदी की लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, 12 ग्राम की चांदी की अंगूठी और 50 हजार रुपए नकद समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। पीड़ित के अनुसार, बैंक की पासबुक, चेकबुक, महत्वपूर्ण बैंक दस्तावेज और बैंक लॉकर की चाबी भी गायब है। डॉ. जायसवाल ने गोमतीनगर थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

आरोप : परिजनों ने ईएमओ पर लगाए लापरवाही के आरोप, वीडियो बनाया तब डॉक्टर आए

लोकबंधु अस्पताल में मरीज की मौत पर हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के लोकबंधु राजनारायण संयुक्त अस्पताल में एक मरीज की मौत के बाद हंगामा हो गया। मृतक के परिजनों ने इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर (EMO) पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। घटना से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है। इसे मरीज के बेटे ने बनाया। इसमें वह इलाज न मिलने से मरीज की मौत होने का आरोप लगा रहा है।

वह वीडियो में कहता सुनाई दे रहा है कि ये देखिए जब मैंने वीडियो बनाना शुरू किया तब डॉक्टर आए। मरीज की मौत हो चुकी है, उसके बाद देखने आए हैं। यह वीडियो शुक्रवार देर रात का बताया जा रहा है। यह रविवार सुबह सामने आया। पीड़ित तीमारदारों ने एफआईआर दर्ज कराने के लिए पुलिस को तहरीर भी दी है। लोकबंधु अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने मामले में जांच का आदेश दिया हैं। उन्होंने कहा कि जांच में यदि लापरवाही के आरोप सही पाए जाते हैं तो कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। लोकबंधु अस्पताल में इलाज में लापरवाही का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले प्रसव पीड़ा से जूझ रही एक महिला को समय पर भर्ती नहीं किए जाने के आरोप लगे थे।

> लोकबंधु अस्पताल के लावारिस वार्ड का एक वीडियो भी हाल ही में वायरल हुआ था। वीडियो में एक मरीज फर्श पर पड़ा दिखाई दे रहा था। आरोप था कि मरीज को देखने वाला कोई नहीं था और वार्ड में उसकी हालत बिगड़ती रही। अस्पताल प्रशासन के अनुसार मामले की जांच कराई जाएगी

बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ने पर पहुंचे थे अस्पताल

आलमबाग के अलीनगर सुनहरा निवासी 65 वर्षीय जगजीवन को शुक्रवार रात करीब साढ़े सात बजे सांस लेने में तकलीफ होने पर लोकबंधु अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक, कुछ देर बाद मरीज की सांस उखड़ने लगी। ईएमओ ने पर्चे पर इंजेक्शन लिखकर ऑक्सीजन लगा दी, लेकिन मरीज की हालत में सुधार नहीं हुआ। मृतक के बेटे दीपक का आरोप है कि उन्होंने कई बार डॉक्टर से मरीज को देखने का अनुरोध किया, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। करीब एक घंटे बाद डॉक्टर मरीज को देखने पहुंचे। रात करीब साढ़े नौ बजे जगजीवन की मौत हो गई।

हर परिषदीय विद्यालय में लगेंगे निपुण लक्ष्य पोस्टर

निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण और लक्ष्य निर्धारण पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

- हर परिषदीय विद्यालय में लगेंगे निपुण लक्ष्य पोस्टर
- 31 जुलाई तक प्रदर्शन के निर्देश, बालवाटिका से कक्षा-5 तक तय हुए अधिगम लक्ष्य

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में लक्ष्य आधारित शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने निपुण भारत मिशन के तहत बड़ा कदम उठाया है। विभाग द्वारा 31 जुलाई तक प्रत्येक परिषदीय प्राथमिक विद्यालय की सभी कक्षाओं में संबंधित कक्षा के निपुण लक्ष्य पोस्टर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी बीआरसी, बीएसए कार्यालय और डायट में भी इनका प्रदर्शन सुनिश्चित किया जाएगा। विभाग का उद्देश्य बालवाटिका से कक्षा-5 तक प्रत्येक विद्यार्थी के लिए तय अधिगम लक्ष्यों को विद्यालय की दैनिक शिक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बनाना है। निपुण लक्ष्य पोस्टर के प्रदर्शन को निरीक्षण व्यवस्था से भी जोड़ा गया है। शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य हितधारकों को भी इन लक्ष्यों के प्रति लगातार जागरूक और प्रेरित किया जाएगा। विद्यालय स्तर पर पोस्टर का प्रदर्शन टीएलएम अनुदान से कराया जाएगा। निपुण लक्ष्य चार्ट में बालवाटिका से कक्षा-5 तक प्रत्येक कक्षा के लिए विषयवार अधिगम परिणाम निर्धारित किए गए हैं। बालवाटिका में बच्चों के लिए दो से तीन अक्षर वाले सरल शब्द पढ़ने, अपना नाम पहचानने और लिखने तथा एक अंकीय संख्याओं की पहचान जैसे लक्ष्य तय किए गए हैं। कक्षा-1 और 2 में छोटे वाक्य पढ़ने-लिखने, गिनती, जोड़-घटाव और दैनिक जीवन में मुद्रा के उपयोग जैसी दक्षताओं पर जोर दिया गया है। वहीं कक्षा-3 से 5 के विद्यार्थियों के लिए हिंदी में अज्ञात गद्यांश को समझकर पढ़ना और उससे संबंधित कम से कम 75 प्रतिशत प्रश्नों के सही उत्तर देना, स्वतंत्र लेखन, गणित में गुणा, भाग, भिन्न, ज्यामितीय आकृतियों की समझ, पर्यावरण अध्ययन से जुड़ी व्यावहारिक अवधारणाओं तथा अंग्रेजी में समझ के साथ पढ़ने और लिखने के स्पष्ट अधिगम लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

ओवैसी बोले-हमारी एकता से लोग घबराते हैं, अब भाजपा की सरकार नहीं बनने देंगे

जौहर यूनिवर्सिटी तोड़ रहे, जिससे मुसलमान पढ़ न पाएं : ओवैसी

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। AIMIM के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी शनिवार शाम साढ़े 7 बजे सहारनपुर पहुंचे। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में दोबारा भाजपा की सरकार नहीं बननी चाहिए। इसके लिए मैं गठबंधन करने को तैयार हूं। अगर खुद को सेक्युलर बताते वाली पार्टियां यह कहें कि ओवैसी कमजोर हैं। उसके पास सिर्फ एक वोट है। वह चुनाव नहीं जीत सकता, तो यह उनकी गलतफहमी है।

आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी का जिक्र करते हुए ओवैसी ने कहा कि अगर आप इसको तोड़ना चाहते हैं। 40 में से 38 इमारतों को ध्वस्त करना चाहते हैं।आपका मकसद साफ है। आप नहीं चाहते कि मुसलमान पढ़ें। जनसभा जिला मुख्यालय पर चिलकाना बस अड्डे के पास 62 फुट रोड मैदान में हुई। इसमें 10 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए।

ओवैसी बोले- विरोधी हमारी एकता से घबराते हैं

ओवैसी बोले- मुजफ्फरनगर दंगों में 50 हजार से ज्यादा मुसलमान बेघर हुए थे। उस समय मुख्यमंत्री कौन थे? क्या ओवैसी मुख्यमंत्री थे या अखिलेश यादव? इसके बावजूद हम पर आरोप लगाए जाते हैं। मेरे अजीज दोस्तों और बुजुर्गों, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इंशाअल्लाह चुनाव से पहले गठबंधन होगा। मजलिस (AIMIM) जिस गठबंधन के साथ जाएगी, उसका फैसला समय आने पर किया जाएगा।

ओवैसी बोले- बीजेपी को हारने के लिए गठबंधन करने को तैयार

ओवैसी बोले- मैंने उस वक्त भी बिहार और सीमांचल की सरजमीन पर खड़े होकर यह बात कही थी और आज सहारनपुर की इस मुबारक सरज़मीन से भी दोहरा रहा हूं कि मैं उत्तर प्रदेश में दोबारा भाजपा की सरकार न बने, इसके लिए गठबंधन (अलायंस) करने को तैयार हूं। मैं आपके बीच खड़े होकर कह रहा हूं कि मैं भी नहीं चाहता कि उत्तर प्रदेश में दोबारा भाजपा की सरकार बने। लेकिन अगर खुद को सेक्युलर कहने वाली पार्टियां यह कहें कि ओवैसी कमजोर है, वह चुनाव नहीं जीत सकता और उसके पास सिर्फ एक वोट है, तो मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वह एक वोट आप लोगों का है।

सहारनपुर की मस्जिद पर छह लाख का जुर्माना लगाया गया

ओवैसी बोले- पिछले 12 वर्षों से भाजपा की सरकार है और हम लगातार देख रहे हैं कि एक के बाद एक पेपर लीक हो रहे हैं। जब पेपर लीक हुए, तब जिम्मेदार लोगों पर देशद्रोह जैसे आरोप नहीं लगाए गए। मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि हजारों-लाखों गरीब परिवारों के बच्चों के भविष्य पर इसका असर पड़ा है। हाल ही में नीट का परिणाम आया। मैं ऐसे कई युवाओं को जानता हूं जो इस पूरी प्रक्रिया से परेशान रहे। उनका कहना था कि पहला पेपर उन्होंने अच्छी तरह दिया था, लेकिन दूसरी परीक्षा तक पहुंचते-पहुंचते उनका मनोबल टूट चुका था। आखिर इन मासूम बच्चों के सपनों को क्यों कुचला जा रहा है? इसका जवाब कौन देगा? इसके बाद वक्फ संशोधन कानून संसद में पारित किया गया। जब यह कानून लाया जा रहा था, तब मैंने बार-बार कहा था कि मोदी सरकार यह कानून मस्जिदों, दरगाहों और खानकाहों को अपने निशाने पर लेने के लिए ला रही है। आज आप संभल की घटना देख रहे हैं। वहीं अब सहारनपुर की एक मस्जिद को नोटिस दिया गया है कि छह लाख रुपये का जुर्माना जमा करें, अन्यथा 15 दिन के भीतर कार्रवाई की जाएगी।

इतना पीयोगे बे तो काम कैसे करोगे : भाजपा विधायक

बिजलीकर्मी को डांटा डीएम से पूछा- अफसर सोने के लिए हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

केतकी सिंह, भाजपा विधायक

बलिया। बलिया में भाजपा विधायक केतकी सिंह शुक्रवार की रात 11 बजे रेवती पॉवर हाउस पहुंचीं। वह SSO को नशे में देखकर भड़क गईं। उन्होंने कहा- जब इतना पीये रहोगे बे, तो काम कहां से करोगे? तुम्हारे मुंह से सीधे आवाज तक नहीं निकल रही।

महिला विधायक ने एक्सईएन और एसई को फोन लगाया तो बंद मिला। जेई ने तीन बार कॉल रिसीव नहीं की। इससे नाराज होकर उन्होंने डीएम को फोन मिला दिया। उनसे पूछा- बिजली विभाग के अफसर घरों में सोने के लिए हैं? जब जनता सोएगी तभी अफसर भी सोएंगे। केतकी सिंह का ये वीडियो शनिवार को सामने आया है।

बांसडीह विधायक केतकी सिंह शुक्रवार को रेवती पहुंची। यहां उन्होंने शाम करीब 7.30 बजे कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बिजली कटौती को लेकर उनसे शिकायत की। केतकी सिंह 9.30 बजे एक भोज के कार्यक्रम में शामिल हुईं। वहां से करीब 11 बजे सीधे रेवती पॉवर हाउस पहुंची। वहां गेट पर ताला लटक रहा था। विधायक के पहुंचने की खबर मिलते ही SSO रणजीत उर्फ पिंटू सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिजली घर के गेट का ताला खोला। विधायक कार्यकर्ताओं के साथ अंदर पहुंचीं और तख्त पर बैठ गईं। उन्होंने SSO से पूछा इलाके में लाइट क्यों नहीं आ रही है। इसके बाद लॉग रजिस्टर मंगवाया उसे चेक किया। इस दौरान केतकी सिंह ने SSO को डांटते हुए कहा- इतना पीये हो कि मुंह से आवाज तक नहीं निकल रही।

फास्ट न्यूज

गाजियाबाद में युवक ने लगाई फांसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना वेव सिटी क्षेत्र में एक ऑटो ड्राइवर (40) ने पत्नी से विवाद के बाद फांसी लगा ली। रविवार सुबह करीब 6 बजे उसका शव पेड़ पर लटका मिला। युवक की पहचान अली मोहम्मद, पुत्र मोहम्मद बख्श के रूप में हुई है। वह मूल रूप से कन्नौज का रहने वाला है। वर्तमान में ग्राम बम्हेटा स्थित महेंद्र के मकान में किराए पर रह रहा था। डासना के पास ऑटो चलाता था।

'हर व्यक्ति रोज दो लोटा पानी बचाए'

कानपुर। कानपुर के बिठूर स्थित एक होटल में रविवार को आयोजित भूजल संरक्षण एवं नदी पुनरोद्धार सेमिनार में प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद अमूल्य है और इसे बचाना केवल सरकार नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और ड्रिप सिंचाई को समय की जरूरत बताया। रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे आयोजित सेमिनार में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपनी दैनिक दिनचर्या में सिर्फ दो लोटा पानी भी बचाए, तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा योगदान होगा।

आगरा में युवती के साथ गैंगरेप

आगरा। आगरा के थाना इरादत नगर क्षेत्र में युवती के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। युवकों ने खेत में युवती के साथ रेप किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर दिया। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए युवती को तलाश कर उससे तहरीर ली। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सीसीएसयू का 38वां दीक्षांत समारोह 22 को

92 हजार से अधिक विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) का 38वां दीक्षांत समारोह 22 जुलाई को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगा। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल क्राप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फार द सेमी-एरिड ट्रापिक्स (आइसीआरआइसैट), हैदराबाद के महानिदेशक डा. हिमांशु पाठक दीक्षांत भाषण देंगे। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय अति विशिष्ट अतिथि और उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। विश्वविद्यालय के अनुसार इस वर्ष कुल 92,332 विद्यार्थियों को उपाधियां

प्रदान की जाएंगी। इनमें 43,176 छात्र (46.76 प्रतिशत) और 49,156 छात्राएं (53.24 प्रतिशत) शामिल हैं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए 199 स्वर्ण पदक एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इनमें एक कुलाधिपति स्वर्ण पदक, एक पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक, दो चौधरी चरण सिंह स्मृति प्रतिभा पुरस्कार, 62 प्रायोजित स्वर्ण पदक और 133 कुलपति स्वर्ण पदक शामिल हैं। इस बार भी मेधावी छात्राओं का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है।

मेरठ में पकड़ा न जाए, इसलिए सुसाइड नोट लिखा, जेब में जहर की गोलियां डालीं

जहरीला इंजेक्शन लगाकर नर्स को बॉयफ्रेंड ने मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में पति को सांप से डसवाकर हत्या के बाद अब स्टाफ नर्स की जहरीली ड्रिप लगाकर हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रेमिका के शादी का दबाव बनाने पर छुटकारा पाने के लिए वार्डबॉय प्रेमी ने दोस्त के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

शनिवार दोपहर करीब 2 बजे ग्लूकोज का ड्रिप चढ़ाने के बहाने जहरीली केमिकल लगा दी। हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए आरोपी वार्डबॉय ने खुद ही सुसाइड नोट लिखा और प्रेमिका की जेब में सल्फास की गोलियां रख दी।

मामला हापुड रोड स्थित एमसीसी अस्पताल का है। पुलिस ने CCTV फुटेज, मोबाइल रिकॉर्ड

नेहा रानी
मृतक

और सुसाइड नोट की लिखावट का मिलान करने के बाद देर रात आरोपी वार्डबॉय और उसके दोस्त को अरेस्ट कर लिया। मौके से मिले कैनुला, सिरिंज, मोबाइल फोन, फर्जी सुसाइड नोट, नोटपैड और जहरीला केमिकल को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, नर्स के पति की एक साल पहले मौत हो गई थी। वार्डबॉय से करीब 8 महीने से अफेयर था। प्रेमिका लगातार शादी का दबाव बना रही थी। ब्रह्मपुरी निवासी 26 वर्षीय नेहा हापुड़ रोड स्थित एमसीसी अस्पताल में स्टाफ नर्स थीं। करीब 2.5 साल पहले नेहा की शादी हुई थी लेकिन पति रवि की एक साल पहले मौत हो गई थी। नेहा का एक साल का बेटा भी है।

नेहा की ननद, देवर और अन्य परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन मौत की सही जानकारी छिपा रहा है। नेहा के देवर ने आरोप लगाया कि उन्हें जहरीला पदार्थ देकर मार दिया गया। परिजन की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

शादीशुदा प्रेमी पर शादी का दबाव बना रही थी

पुलिस की पूछताछ में सुरेश ने बताया कि वह शादीशुदा है और उसका 5 साल का बेटा है। पिछले आठ महीने से उसका नेहा के साथ प्रेम संबंध था। नेहा ने करीब नौ महीने पहले एमसीसी अस्पताल जॉइन किया था।

नेहा उस पर शादी का दबाव बना रही थीं, लेकिन वह शादी नहीं करना चाहता था। इसी वजह से उसने उनकी हत्या की साजिश रची। उसने इस वारदात में अपने दोस्त फरहान की मदद ली।

नेहा की मौत के बाद ब्रह्मपुरी कालोनी में मौजूद परिवार के लोग।

सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू की

सीओ कोतवाली संग्राम सिंह पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने CCTV फुटेज कब्जे में लेकर डॉक्टरों और कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की। मामले के खुलासे के लिए पुलिस ने दो टीमें बनाई। जांच में नेहा के मोबाइल फोन से सुरेश के साथ लगातार बातचीत के साक्ष्य मिले। CCTV फुटेज में भी सुरेश वार्ड से बाहर निकलता दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने हत्या की बात कबूल कर ली।

योगी बोले- परिवार से मुलाकात की, 5 लाख की मदद, आवास देंगे, गाजियाबाद में अपनी बहन के घर भी गए

ललिता गौतम हत्याकांड के दोषी बचेंगे नहीं : योगी

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । सीएम योगी ने शनिवार को गाजियाबाद में ललिता गौतम के परिवार से मुलाकात की। योगी ने PWD गेस्ट हाउस में करीब आधे घंटे तक ललिता के परिवार से बात की। कहा- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे।

उन्होंने परिवार को 5 लाख की आर्थिक मदद, पिता और चाचा को एक-एक मुख्यमंत्री आवास देने का ऐलान किया। पुलिस अफसरों से अब तक की कार्रवाई की जानकारी ली। इससे पहले, पूर्व आईपीएस और मंत्री असीम अरुण सुबह साढ़े 9 बजे ललिता गौतम के परिवार को मेरठ से लेकर गाजियाबाद पहुंचे। मेरठ में बीए की दलित छात्रा ललिता

योगी ने मेरठ की दलित छात्रा ललिता गौतम हत्याकांड के पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। न्याय का भरोसा दिलाया।

गौतम की हत्या हुई थी। शव 17 मई को गन्ने के खेत में मिला था।

पुलिस कार्रवाई न होने से नाराज परिजनों ने 8 जुलाई को कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया था। SSP अविनाश पांडेय ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को थप्पड़ मारे। पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इसके बाद मामला ने तूल पकड़ लिया था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, आजाद समाज पार्टी के प्रमुख सांसद चंद्रशेखर ने परिवार से मुलाकात की थी। इससे पहले, शुक्रवार रात 9 बजे योगी गाजियाबाद के मुरादनगर में अपनी रिश्ते की बहन पुष्पा चौधरी के घर पहुंचे।

परिवार बोला- सीएम से मिलकर तसल्ली हुई

सीएम योगी से मिलने के बाद ललिता गौतम के परिवार के सदस्य वेद प्रकाश ने कहा- आज हमारा पूरा परिवार मुख्यमंत्री से मिला। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मामले में शामिल किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। कोई छूट नहीं पाएगा। उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। हमें यह जानकर तसल्ली हुई कि जो अपराधी अभी भी फरार हैं, उन्हें भी सबूतों के आधार पर जेल भेजा जाएगा।

अखिलेश और चंद्रशेखर ने भी की थी पीड़ित परिवार से मुलाकात

अखिलेश यादव ने 6 दिन पहले शनिवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। अखिलेश ने दिल्ली में सरकारी आवास पर 1 घंटे 15 मिनट तक ललिता के परिवार से बंद कमरे में बात की थी। उन्हें 2 लाख रुपए का चेक सौंपा था। अखिलेश ने परिवार को फोन कर दिल्ली मिलने के लिए बुलाया। कैराना सांसद इकरा हसन माता-पिता और भाई को लेकर दिल्ली पहुंचीं। अखिलेश ने ललिता के पिता से कहा था- बेटी को न्याय मिलेगा। सरकार बनने पर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देंगे।

दो दोस्तों को बचाने में छात्र की गई जान

गंगा की तेज धारा में डूबा, ढाई घंटे बाद मिला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के जाजमऊ स्थित सिद्धनाथ घाट पर रविवार को गंगा में नहाने गए 11वीं के छात्र की दो दोस्तों को बचाने के प्रयास में डूबने से मौत हो गई। करीब ढाई घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद जल पुलिस और गोताखोरों ने उसका शव बरामद किया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

चकेरी के घाऊखेड़ा निवासी 16 वर्षीय अंश गुप्ता अपने पांच नाबालिग दोस्तों के साथ साइकिल से सिद्धनाथ घाट पर गंगा में नहाने गया था। नहाने के दौरान उसके दो दोस्त गहरे पानी में डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए अंश भी गहराई में उतर गया, लेकिन तेज बहाव में खुद लापता हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घाट पर मौजूद लोगों ने डूब रहे दोनों

किशोरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन अंश गंगा की तेज धारा में बह गया। घटना की सूचना दोपहर करीब तीन बजे पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही जाजमऊ पुलिस, जल पुलिस और शुक्लागंज के गोताखोर मौके पर पहुंचे। करीब ढाई घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद शाम चार बजे अंश का शव गंगा से बाहर निकाला गया। उसे तत्काल कांशीराम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पृष्ठ 01 का शेष...

'आपदा प्रबंधन होगा...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में विधानसभा संभल और चंदौसी पूरी तरह केंद्र में रहे, जबकि जनपद की राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण गुन्नौर विधानसभा के लिए कोई अलग बड़ी घोषणा या विशेष फोकस नजर नहीं आया।

मुख्यमंत्री ने संभल की धार्मिक विरासत, कानून व्यवस्था और विकास योजनाओं पर विस्तार से बात की, वहीं चंदौसी के लिए इंटर कॉलेज समेत कई घोषणाएं कीं। बहजोई में पुलिस लाइन, संभल में पीएसी, फोरलेन सड़क और अन्य परियोजनाओं का भी उल्लेख किया, लेकिन गुन्नौर के लिए अलग से कोई नई योजना सामने नहीं आई।

गुन्नौर विधानसभा लंबे समय से जिले की सबसे चर्चित राजनीतिक सीटों में गिनी जाती है। वर्ष 2004 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने इसी सीट का प्रतिनिधित्व किया था और यह क्षेत्र समाजवादी राजनीति के प्रभाव वाले इलाकों में माना जाता है। वर्तमान में भी यहां समाजवादी पार्टी का विधायक है। ऐसे राजनीतिक महत्व के बावजूद कार्यक्रम में गुन्नौर के सीमित उल्लेख और किसी बड़ी घोषणा के अभाव ने स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा को जन्म दिया कि मुख्यमंत्री का भाषण और घोषणाएं मुख्य रूप से संभल और चंदौसी पर केंद्रित रहीं।

सही जानकारी से डाला ...

ऐसे जन जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए, जिनसे सामान्य नागरिक भी आपदा के समय राहत और बचाव कार्यों में सहयोग कर सके। जब आपदा न हो, तब ट्रेनिंग और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा छात्रों और शिक्षकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए।

मानसून सत्र से पहले ...

इसके अलावा आयकर संशोधन बिल के लिए 4 घंटे, जजों की संख्या से जुड़े बिल के लिए 4 घंटे, जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रेशन बिल के लिए 4 घंटे, वंदेमातरम से जुड़े बिल के लिए 4 घंटे और MSME बिल पर चर्चा के लिए 5 घंटे तय किए गए हैं।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सोमवार को अमित शाह राज्यसभा में वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश करेंगे। साथ ही राज्यसभा की बिजनेस एडवाइज़री कमेटी की बैठक कल दोपहर 1 बजे होगी।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का वॉकआउट किया है।

उन्होंने कहा कि टेबल ऑफिस की लिस्ट में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (TMC) की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है, जबकि एनसीपीआई (NCPI) नाम की एक गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी के 20 बागी सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंजूरी नहीं दी है और उनकी अयोग्यता की याचिकाएं अभी लंबित हैं।

महुआ ने सवाल उठाया कि 91वें संशोधन के बाद जब किसी अलग गुट की गुंजाइश ही नहीं है, तो संसदीय कार्य मंत्री ने इन 20 बागी सांसदों को किस आधार पर न्योता दिया? इसी के विरोध में पूरे विपक्ष ने बैठक का बहिष्कार किया है।

NCPI के 20 लोकसभा सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को हस्ताक्षरित आवेदन देकर नए दल के रूप में मान्यता और संसद में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की है। यह मामला स्पीकर के विचाराधीन है।

जब मामला स्पीकर के पास है और 20 सांसदों का समूह मौजूद है, तो उन्हें सर्वदलीय बैठक में कैसे नहीं बुलाया जा सकता? लोकसभा सभी की है। सरकार का दायित्व है कि वह सभी दलों से बातचीत करे। यदि सहमति बनानी है तो सभी को आमंत्रित करना होगा।

'वांगचुक को इलाज ...

दरअसल सोनम की पत्नी गीतांजलि ने वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से प्राइवेट हॉस्पिटल शिफ्ट करने की मांग की थी। मामले में अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी।

दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में भी वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है।

CJP और वांगचुक 28 जून से NEET पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में आमरण अनशन पर हैं।

दिल्ली पुलिस के आयुक्त अनुराग कुमार के पद संभालने के 24 घंटे में वांगचुक को धरना स्थल से उठवाकर अस्पताल पहुंचा दिया गया। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात 1:30 बजे इसके निर्देश मिले। फिर नई दिल्ली जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर मार्ग थाने में रणनीति बनाई। एक मिनट में बिना टकराव के वांगचुक को कैसे एम्बुलेंस तक ले जाएं, इसकी रिहर्सल की। जैमर लगाने पर भी चर्चा हुई, ताकि कार्रवाई के वीडियो न फैलें। सुबह 5 बजे अधिकारी जंतर-मंतर पहुंचें। वहां अंतिम ब्रीफिंग दी। फिर सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी सफेद चादरें लेकर मंच पर चढ़ गए। कार्रवाई की वीडियोग्राफी से बचने के लिए चादरों का इस्तेमाल किया गया।

'आपकी चुप्पी ...

टिन्नू, पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी रहा है। वह मंदिर के दानपात्रों की देखरेख करता था, जबकि मनीष चढ़ावे की गिनती का काम करता था। पुलिस ने टिन्नू के घर से 1 लाख रुपए और मनीष के घर से 2 लाख रुपए बरामद किए थे। इससे पहले पुलिस 6 अन्य आरोपियो अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव, रमाशंकर मिश्रा और करुणेश को रिमांड पर ले चुकी है। संभल में शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (AIMIM) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी सरकार पर हमला बोला। राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर उन्होंने कहा कि जब ट्रस्ट में जिलाधिकारी और प्रमुख सचिव (गृह) जैसे अधिकारी शामिल थे, तब ऐसी घटना कैसे हो गई। सरकार को इन सवालों का जवाब देना चाहिए और पूरे मामले में पारदर्शिता बरतनी चाहिए।

मुजफ्फरनगर से सपा सांसद हरेंद्र मलिक ने राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले को लेकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के बयान पर पलटवार किया। कहा- रामभक्त कौन है, यह कौन तय करेगा? भगवान श्रीराम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं। यह तय करना किसी के लिए संभव नहीं है कि कौन सच्चा रामभक्त है और कौन नहीं। अगर किसी के पास ऐसी कोई मशीन है जो यह बता सके कि किसकी आस्था सच्ची है और किसकी नहीं, तो पहले उसी मशीन से जांच कर लोगों को मंदिर में प्रवेश दिया जाए। दरअसल, दो दिन पहले सतीश महाना का एक वीडियो सामने आया था। इसमें वह कहते दिखाई दे रहे थे कि जिन्होंने श्रद्धापूर्वक भगवान के मंदिर में पैसा अर्पित नहीं किया, उन्हीं का पैसा चोरी हुआ है। हमारा पैसा चोरी नहीं हुआ, हमारा पैसा मंदिर में लगा है। मंदिर का भव्य स्वरूप इसका प्रमाण है। महाना का बयान कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के उस बयान पर पलटवार था, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने पूरी सच्ची श्रद्धा से राममंदिर में दान किया था, पर पैसा चोरी कर लिया गया। राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ पद के लिए अब तक 5000 लोगों ने आवेदन किया है। आवेदन की अंतिम तारीख कल यानी 18 जुलाई थी। 22 जुलाई को होने वाली बैठक इस पर भी चर्चा की जाएगी।

एमपी में यूसीसी बिल ...

कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने भोपाल के गौरवशाली इतिहास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भोपाल का इतिहास परमार राजवंश और राजा भोज से जुड़ा है। यह क्षेत्र प्राचीन काल से सनातन संस्कृति का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल का गहरा संबंध गोंड राजवंश से भी है। मदन शाह और संग्राम शाह जैसे शासकों ने क्षेत्र के विकास में योगदान दिया।

भारत 22 साल से लॉर्ड्स में वनडे नहीं जीता

मुकाबला

इंग्लैंड से तीसरा मैच आज, सीरीज 1-1 से बराबर, रोहित शर्मा पर नजरें

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे आज लॉर्ड्स में खेला जाएगा। दोनों टीमें सीरीज में 1-1 की बराबरी पर हैं। टीम इंडिया के सामने इस मुकाबले में 22 साल से लॉर्ड्स में वनडे जीत का सूखा खत्म करने का मौका होगा। भारत ने लॉर्ड्स में आखिरी वनडे जीत 2004 में दर्ज की थी। इसके बाद खेले गए 4 मैचों में टीम को 3 हार मिलीं, जबकि एक मुकाबला टाई रहा। हालांकि, लॉर्ड्स में भारत का ओवरऑल रिकॉर्ड बराबरी का है। टीम ने यहां 9 वनडे खेले हैं, जिनमें 4 में जीत और 4 में हार मिली, जबकि एक मैच टाई रहा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने सीरीज में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2 मैचों में 111 रन बनाए हैं और उनका

■ ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने भी सीरीज में गेंद से प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने 2 मैचों में 5 विकेट लिए हैं और उनकी इकोनॉमी 5.15 रही है।

बल्लेबाजी औसत 111.00 रहा है। गिल का बेस्ट स्कोर नाबाद 80 है। कप्तान के तौर पर गिल की बल्लेबाजी भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी। टीम को लॉर्ड्स के निर्णायक मुकाबले में उनसे एक और बड़ी पारी की उम्मीद होगी।

इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट सीरीज में दोनों टीम के टॉप स्कोरर है। उन्होंने 2 मैचों में 175 रन बनाए हैं। पिछले मैच में उन्होंने नाबाद 99 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने सीरीज में अब तक 2 मैचों में 4 विकेट लिए हैं। आर्चर की तेज रफ्तार और शॉर्ट गेंदें भारतीय बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकती हैं। लॉर्ड्स में नई गेंद से उन्हें मदद मिलती है तो भारतीय टॉप ऑर्डर के सामने शुरुआती ओवरों में बड़ा टेस्ट होगा। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। हालांकि, अगर शुरुआती चुनौती पार कर ली जाए तो बल्लेबाजी आसान होती जाती है। टारगेट चेज करना इस मैदान पर आसान होता है।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 56% वनडे जीते

भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक कुल 112 वनडे मैच खेले गए हैं। इनमें भारतीय टीम ने 62 मुकाबलों में जीत दर्ज की है, जबकि इंग्लैंड को 45 मैचों में सफलता मिली है। दोनों टीमों के बीच 2 मुकाबले टाई रहे हैं, जबकि 3 मैचों का नतीजा नहीं निकला। इंग्लैंड की सरजमीं पर दोनों टीमों के बीच कुल 46 मुकाबले हुए हैं, जिसमें से इंग्लैंड ने 24 और भारत ने 19 मैच जीते हैं। एक मैच टाई है और 3 मुकाबले बेनतीजा रहे हैं।

टीम इंडिया में बदलाव संभव

कार्डिफ वनडे के दौरान हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन के कारण ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे को टीम में शामिल किया गया है। इस मैच के लिए कुलदीप यादव भी एक विकल्प हैं। इसके अलावा, बीमारी से उबरने के बाद केएल राहुल की टीम में वापसी लगभग तय है, जो ईशान किशन की जगह लेंगे।

वॉशिंगटन सुंदर तीसरे वनडे से बाहर हर्ष दुबे को टीम में मिली जगह

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा मुकाबला कल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और आखिरी वनडे मैच के लिए ऑलराउंडर हर्ष दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें वॉशिंगटन सुंदर की जगह टीम में शामिल किया गया है। सुंदर दूसरे वनडे के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे कल लॉर्ड्स में खेला जाएगा। हर्ष दुबे ने 13 जून 2026 को अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया। इस मैच में उन्होंने 5 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए। सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान सुंदर के दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। भारतीय टीम मैनेजमेंट और मेडिकल स्टाफ अब वॉशिंगटन सुंदर की चोट पर नजर रखे हुए है। सुंदर की चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए जल्द ही उनके स्कैन कराए जाएंगे। इसके साथ ही उनकी चोट के आगे के मैनेजमेंट और रिकवरी के लिए

विशेषज्ञों (स्पेशलिस्ट) की सलाह ली जाएगी। दूसरे वनडे के बाद भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी सुंदर की चोट को लेकर चिंता जताई थी।

तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम का अपडेटेड स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे।

फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल का क्रेज कोलकाता में परीक्षा टली

बेंगलुरु में होटल-रेस्टोरेंट देर तक खुलेंगे, गुवाहाटी में स्पेशल डिश

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के सबसे बड़े स्पोर्ट्स इवेंट फुटबॉल वर्ल्ड कप का फाइनल मैच आज रात 12:30 बजे से खेला जाएगा। इसमें अर्जेंटीना और स्पेन की टीमें वर्ल्ड चैंपियन के ट्रैग के लिए आमने-सामने होंगी।

लियोनेल मेसी की टीम लगातार दूसरा खिताब जीतना होगी, जबकि लामिल यमाल की टीम को दूसरे टाइटल की तलाश है।

फाइनल का क्रेज भारत में भी देखने को मिल रहा है। सबसे ज्यादा दीवानगी कोलकाता में है। यहां स्पोर्ट्स बार, मल्टीप्लेक्स, क्लब और मोहल्लों के मैदानों पर बड़ी स्क्रीन लग चुकी है।

जुनून इस हद तक है कि स्कूलों ने 20-21 जुलाई की परीक्षाएं

स्थगित कर दी हैं। बेंगलुरु पुलिस और असम सरकार ने होटल, रेस्तरां और क्लबों को सुबह 3:30 बजे तक खुला रखने की अनुमति दी है।

मोहन बागान क्लब के सदस्य प्रसेनजीत सरकार ने बताया, 'बंगाल में कोई कहे कि उसे फुटबॉल पसंद नहीं है, तो उसके बंगाली होने पर ही सवाल उठ सकता है। कोलकाता में अर्जेंटीना के समर्थक सबसे ज्यादा हैं। अर्जेंटीना जीता तो जश्न वैसा ही होगा, जैसा भारत के क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने पर होता है।'

तिरुवनंतपुरम में कैटरर पी. सुरेंद्रन को 25 लीटर 'पालाडा पायसम' (दूध-चावल की मीठी डिश) का ऑर्डर मिला है। सुरेंद्रन ने 3 दिन पहले ही अर्जेंटीना की जीत के जश्न का ऐलान कर दिया है।'

केरल के मंदिरों, खासकर गुरुवयूर के श्रीकृष्ण मंदिर में फैन मेसी और स्पेन के यमाल के लिए खास प्रार्थना और चढ़ावा चढ़ाने के लिए उमड़ रहे हैं। गुवाहाटी के एलीट क्लब्स और फाइव-स्टार होटल्स के 'वर्ल्ड कप थीम' में 'मेसी किक बर्गर' और 'स्पेनिश ट्रॉफी मॉकटेल' जैसे व्यंजन शामिल हैं। कई नामचीन पब्स और लाउंज ने 'जर्सी ड्रेस कोड' अनिवार्य किया है।

फ्रांस हारा, एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे, टूर्नामेंट में 10 गोल

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्डकप में ब्रॉन्ज जीता, साका की हैट्रिक

मियामी गार्डन्स, एजेंसी

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम 1966 में चैंपियन बनी थी।

इंग्लैंड की जीत के हीरो बुकायो साका रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके गोल्डन बूट की रेस में मेसी को पीछे छोड़ दिया। उनके 10 गोल हो गए हैं, जबकि मेसी के 8 गोल हैं।

इतना ही नहीं, एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उनके नाम अब

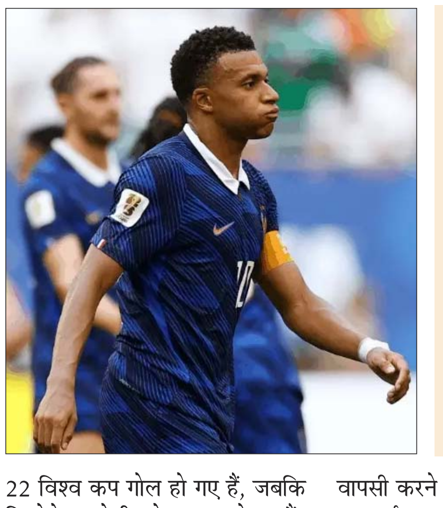

दूसरे हाफ में फ्रांस ने वापसी की कोशिश की। एम्बाप्पे ने 48वें मिनट में पहला गोल किया। 54वें मिनट में ब्रैडली बारकोला ने स्कोर 4-2 किया और 66वें मिनट में एम्बाप्पे ने अपना दूसरा गोल कर अंतर सिर्फ एक गोल का कर दिया।

22 विश्व कप गोल हो गए हैं, जबकि लियोनेल मेसी के 21 गोल हैं। हालांकि, आज देर रात होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल में मेसी के पास वापसी करने का मौका है।

वर्ल्ड कप के तीसरे स्थान के मैच में पहली बार कुल 10 गोल देखने को मिले। यह वर्ल्ड कप 1982 के बाद सबसे ज्यादा गोल वाला मुकाबला रहा। डेक्लान राइस ने इंग्लैंड के लिए फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज (2 मिनट 14 सेकेंड) गोल किया। इंग्लैंड के लिए वर्ल्ड कप का सबसे तेज गोल अब भी ब्रायन रॉब्सन के नाम है, जिन्होंने 1982 वर्ल्ड कप में संयोग से फ्रांस के खिलाफ ही मुकाबले के 28वें सेकेंड में गोल किया था। फ्रांस के माइकल ओलिसे ने इस वर्ल्ड कप में 7वां गोल असिस्ट किया। वे 1966 के बाद किसी एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए।उन्होंने ब्राजील के महान खिलाड़ी पेले का 56 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। पेले ने 1970 वर्ल्ड कप में ब्राजील के लिए 6 असिस्ट किए थे।

तीसरे मिनट में पहला गोल आया

इंग्लैंड ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबदबा बनाया। तीसरे मिनट में डेक्लान राइस ने पहला गोल किया, जबकि 18वें मिनट में एजरी कॉन्सा ने बढ़त 2-0 कर दी। साका ने 37वें मिनट और पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल कर इंग्लैंड को हाफ टाइम तक 4-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

■ अमेरिका ने लाल सागर में अपना वॉरशिप आईजनहॉवर तैनात किया है।

मनोरंजन

विक्की कौशल और बेटे विहान दिखाई दिए, लिखा- सबसे खूबसूरत जन्मदिन

कटरीना कैफ ने 43वें जन्मदिन सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर कीं

नई दिल्ली, एजेंसी

16 जुलाई को अपना 43वां जन्मदिन मनाने वाली कटरीना कैफ ने पति विक्की कौशल और बेटे विहान के साथ अपने सेलिब्रेशन की झलक सोशल मीडिया पर शेयर की। पोस्ट में विक्की के साथ उनकी तस्वीरें और बेटे विहान के साथ बिताए गए कुछ खास पल नजर आए। तस्वीरों के साथ कटरीना ने एक भावुक नोट भी लिखा। उन्होंने लिखा, ३मैं हमेशा भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं कि उन्होंने मुझे तुम्हारे जैसा अनमोल साथी दिया। यह मेरा सबसे खूबसूरत जन्मदिन है। और हां, तुम भी कुछ कम अच्छे नहीं हो। जन्मदिन के

मौके पर कटरीना ने पीच रंग की ड्रेस पहनी थी। उन्होंने खुले बाल और कम एक्सेसरीज के साथ अपना लुक सिंपल रखा। पोस्ट में विक्की कौशल के साथ एक तस्वीर भी शामिल थी,

> कटरीना को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए विक्की ने पोस्ट में लिखा था, जान का जन्मदिन।

जिसे सेलिब्रेशन के बाद की बताया गया। इसमें दोनों कैजुअल आउटफिट में साथ नजर आए। विक्की और कटरीना की जोड़ी बनवाने में करण जौहर की काफी अहम भूमिका है। जब करण ने अपने टॉक शो 'कॉफी विद करण' पर कटरीना से सवाल पूछा था कि वो आगे किसके साथ काम करना पसंद करेंगी, तब उसके जवाब में कटरीना ने विक्की का नाम लिया था। ये बात करण ने जब विक्की को बताई तो वो इसे सुन कर दिल पर हाथ रखकर 'बेहोश' होने लगे। फिर विक्की ने कटरीना को साल 2019 में स्टार स्क्रीन अवॉर्ड के दौरान सरेआम शादी का प्रस्ताव दिया था। विक्की ने कहा था कि मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं, शादियों का मौसम चल रहा है आप भी एक विक्की कौशल को ढूंढकर उससे शादी क्यों नहीं कर लेतीं। उसके बाद कटरीना से विक्की ने सीधे पूछ लिया कि मुझसे शादी करोगी।

पिछले साल नवंबर में हुआ बेटे विहान का जन्म

कटरीना और विक्की पिछले साल नवंबर में एक बेटे के माता-पिता बने हैं। दोनों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके फैंस को यह जानकारी दी थी। इसके बाद 7 जनवरी 2026 को उन्होंने अपने बेटे के नाम का खुलासा किया था। उन्होंने अपने बेटे का नाम विहान कौशल रखा है। मां बनने के बाद कटरीना का यह पहला जन्मदिन था।

आमिर खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई

लॉरेंस गैंग की कथित धमकी के बाद वायरल पोस्ट और ऑडियो की जांच शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

आमिर खान को तीसरी शादी करने पर मिली कथित धमकी को लेकर जांच शुरू कर दी गई। शनिवार को वॉयस क्लिप और सोशल मीडिया पोस्ट सामने आने के बाद पुलिस ने बांद्रा पश्चिम के पाली हिल स्थित आमिर खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। हालांकि, आमिर खान फिलहाल देश से बाहर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अभी तक न तो वॉयस क्लिप और न ही सोशल मीडिया पोस्ट की असलियत कन्फर्म हुई है। वहीं, मुंबई पुलिस कमिश्नर देवन भारती ने कहा, हम सोशल मीडिया पोस्ट और वॉयस क्लिप की सत्यता की जांच कर रहे हैं।

बता दें कि शनिवार को आमिर खान को लॉरेंस गैंग की तरफ से कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिलने की खबर सामने आई थी। आमिर खान की 5 जुलाई को हुई गौरी स्प्रैट से शादी को लव

जिहाद बताया गया था। सोशल मीडिया पर कथित तौर पर लॉरेंस गैंग की तरफ से एक लेटर और ऑडियो नोट जारी किया गया है। लेटर में लिखा था- हमारे देश में आमिर खान जैसे लोग लव जिहाद को बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसका जवाब बहुत जल्द इसको दिया जाएगा। ये चीज हमारे सनातन धर्म में और देश के खिलाफ है। ये जो स्टारडम के नाम पर इस चीज को बढ़ावा दे रहे हैं, इनकी हम सांसें दबा लेंगे। आमिर खान की तीसरी पत्नी गौरी स्प्रैट के पिता तमिल-ब्रिटिश मूल के हैं और उनकी मां पंजाबी-आयरिश मूल की हैं।

आमिर खान की तीसरी पत्नी गौरी स्प्रैट के पिता तमिल-ब्रिटिश मूल के हैं और उनकी मां पंजाबी-आयरिश मूल की हैं।

लव जिहाद के आरोप पर आमिर ने सफाई दी थी

तीसरी शादी करने के बाद एक्टर आमिर खान को सोशल मीडिया पर लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कहा जा रहा है। आमिर ने रेडिफ के साथ बातचीत में इन आरोपों पर आमिर ने कहा- 'मेरी तीनों शादियों में किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया, क्योंकि शादियां सिविल मैरिज थीं। तीसरी पत्नी गौरी हिंदू नहीं बल्कि ईसाई हैं।' आमिर ने कहा- 'मेरी बेटी इरा की शादी एक हिंदू से हुई है। मेरी दोनों बहनों निखत खान और फरहत खान के पति भी हिंदू हैं। कजिन मंसूर की शादी एक ईसाई से हुई है।'

आमिर ने 5 जुलाई को की थी तीसरी शादी

एक्टर आमिर खान और उनकी पार्टनर गौरी स्प्रैट ने 5 जुलाई को शादी की। दोनों ने मुंबई के पाली हिल (बांद्रा) स्थित आमिर के घर पर शादी के कागजात पर साइन किए। यह एक प्राइवेट मैरिज सेरेमनी थी, जिसमें दोनों परिवारों के लोग और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही शामिल हुए। शादी स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत कोर्ट मैरिज के रूप में रजिस्टर की गई।

पंजाबी फिल्म को पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर ने फर्जी बताया

युवती के नाम पर सवाल उठाए, 'जफ्फी डालो' बोलने पर एक्ट्रेस शहनाज गिल ट्रोल

पठानकोट, एजेंसी

एक्टर जय रंधावा और एक्ट्रेस शहनाज गिल की अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'इश्कनामा' रिलीज से पहले ही विवादों में आ गई है। 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फिल्म की कहानी भारतीय पंजाबी सिख युवक निम्मा और पाकिस्तानी पंजाबी युवती नसीमा के प्रेम पर आधारित है। 14 जुलाई को ट्रेलर रिलीज होने के बाद बहस छिड़ी गई।

फिल्म की कहानी और किरदारों पर भी सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर का दावा है कि यह एक फर्जी कहानी है और पाकिस्तान में 'नसीमा' नाम नहीं होता। लोग या तो नसीम नाम रखते या सीमा। नसीमा नाम पहली बार सुना है। इसके अलावा ट्रेलर लॉन्चिंग के दौरान में शहनाज गिल के

बयान के बाद विवाद और बढ़ गया। शहनाज ने कहा कि अगर निम्मा को नसीमा मिल जाए तो वह दोनों को एक कमरे में छोड़ देंगी, उनके हाथ बांध देंगी और कहेंगी कि जफ्फी डाल लो और आज जी भरकर प्यार कर लो। इस बयान के बाद शहनाज गिल को भी ट्रोल किया जा रहा है। शहनाज गिल और जय रंधावा की आगामी फिल्म इश्कनामा' पाकिस्तानी पंजाबी युवती नसीमा और भारतीय पंजाबी सिख युवक निम्मा के प्यार की अधूरी कहानी से इंस्पायर है, जिसमें 1981 और 1988 के बीच दो अलग मुल्क में रहने वाले दो आशिकों की कहानी को ट्रेलर में उतारा गया है। कहानी एक सिख लड़के कवि निम्मा की है, जो पाकिस्तान जाता है, वहां उसकी मुलाकात नसीमा नाम की लड़की से होती है, जो मुस्लिम है। दोनों के बीच प्यार पनपता है और नसीमा एक दिन निम्मा से हिंदुस्तान घूमने की इच्छा व्यक्त करती है।

वह उसे भारत घुमा भी देता है और उसे छोड़ने आता है, लेकिन जब दोनों की इस लव स्टोरी के बारे में नसीमा के पिता को पता लगता है, तो वह पाकिस्तान में लड़के को बुरी तरह से मारता है।

अमेरिका का एमक्यू-9 ड्रोन मार गिराया : ईरान

वीडियो भी जारी किया, यूएस ने लगातार 8वीं रात तेहरान पर बम बरसाए

हमला

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया है कि उसने खुजेस्तान प्रांत के अहवाज में अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन को इंटरसेप्ट कर मार गिराया। ईरानी सरकारी मीडिया ने ड्रोन गिराने का वीडियो भी जारी किया है।

IRGC के मुताबिक, उसने अपने नए डिफेंस सिस्टम से ड्रोन को निशाना बनाया। हालांकि अमेरिका ने अब तक न तो ड्रोन गिराए जाने के दावे की पुष्टि की है और न ही जारी वीडियो पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है।

MQ-9 रीपर अमेरिकी सेना का अत्याधुनिक मानव रहित ड्रोन है, जिसका इस्तेमाल निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और सटीक हवाई हमलों के लिए किया जाता है।

दूसरी ओर, अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने लगातार आठवीं रात ईरान के खिलाफ हवाई हमले किए। इससे पहले अमेरिका ने जानकारी दी थी कि जॉर्डन में ईरान के मिसाइल हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई, जबकि एक सैनिक लापता है।

ईरान ने अमेरिका के साथ एक महीने पहले हुए समझौते से पीछे हटने का ऐलान किया है। ईरान के उप विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका ने खुद समझौते का उल्लंघन किया, इसलिए वे भी उसकी शर्तों का पालन नहीं करेंगे।

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि 27 जून से 18 जुलाई के बीच अमेरिकी हवाई हमलों में 50 लोगों की मौत हुई है, जबकि 500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कुवैत ने दावा किया कि ईरान ने उसके एक डिसैलिनेशन प्लांट पर हमला किया है। वहीं, ईरान ने भी दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के होर्मोजगान में एक डिसैलिनेशन प्लांट पर हमला किया है। अमेरिकी हमले में बंदर अब्बास-रूदान मार्ग पर स्थित दो पुल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। साथ ही, जस्क के पास एक इलाके पर भी सैन्य हमला हुआ।

वीडियो को जॉर्डन के मुवाफ्फक सल्ती एयरबेस पर हुए अमेरिकी हमले का बताया जा रहा है। इस हमले में 2 अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं।

गल्फ देशों ने कुवैत पर हमलों की निंदा की

कुवैत में बिजली संयंत्रों, डिसेलिनेशन प्लांट्स और तेल प्रतिष्ठानों पर हमलों के बाद खाड़ी देशों ने ईरान की कड़ी आलोचना की है।

कतर ने कहा कि नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना 'रेड लाइन' पार करने जैसा है। वहीं, ईरान का कहना है कि उसके निशाने पर केवल अमेरिकी सैन्य ठिकाने और संपत्तियां हैं।

> ईरानी सरकारी मीडिया ने अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराने का दावा करते हुए उसका कथित वीडियो जारी किया है। ईरान का कहना है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने दक्षिणी ईरान में ड्रोन को निशाना बनाया था। हालांकि अमेरिका ने अभी तक इस दावे या वीडियो की पुष्टि नहीं की है।

बहरीन में एयर रेड सायरन बजे

ईरान की ओर से खाड़ी देशों पर जारी मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच बहरीन में एयर रेड सायरन बजाए गए। बहरीन के गृह मंत्रालय ने नागरिकों और प्रवासियों से शांत रहने तथा तुरंत नजदीकी सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की है।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच कुवैत ने दूसरी बार अपने डिसेलि-नेशन (समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले) प्लांट पर हमले का आरोप लगाया है। ऐसे में सवाल है कि इन प्लांट्स का महत्व क्या है और इन पर हमला पूरे खाड़ी क्षेत्र के लिए कितना बड़ा संकट पैदा कर सकता है।

ईरान में छोटे भूकंप में भी नुकसान ज्यादा होता है

ईरान का करीब 90% हिस्सा भूकंप के खतरे वाले क्षेत्र में है। कई शहर धरती की दरारों (फॉल्ट लाइन) के पास बसे हैं। इसलिए छोटे भूकंप के झटके भी वहां तेज महसूस होते हैं।

इसके साथ ही कई जगह पुराने और कमजोर मकान हैं, जो हल्के झटकों में भी टूट सकते हैं। इसी वजह से ईरान में छोटे भूकंप भी कई बार बड़ा नुकसान कर देते हैं। ईरान में 2003 के बाम भूकंप (6.6 तीव्रता) में 26 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

- डिसेलिनेशन प्लांट समुद्र के खारे पानी से नमक और अन्य अशुद्धियां हटाकर उसे पीने योग्य बनाता है। जिन देशों में प्राकृतिक मीठे पानी की कमी होती है, वहां यह तकनीक पानी का सबसे बड़ा स्रोत है।

फास्ट न्यूज

जॉर्डन में ईरानी हमले में दो और अमेरिकी सैनिकों की मौत

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में चार महीनों से ज्यादा समय से जारी भीषण संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। ऐसे में अब शनिवार को अमेरिकी सेना ने बताया कि जॉर्डन में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों का मुकाबला करते हुए उनके दो और सैनिक मारे गए हैं। इसके साथ ही इस संघर्ष में अब तक जान गंवाने वाले अमेरिकी सैनिकों की कुल संख्या 16 हो गई है।

आईसीआईसीआईआई बैंक का मुनाफा 16% बढ़कर 14,805 करोड़

नई दिल्ली। ICICI बैंक लिमिटेड ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए अपने स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट में साल-दर-साल 15.95% की बढ़त दर्ज की है। यह बढ़कर 14,804.5 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इस निजी क्षेत्र के बड़े बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) भी उम्मीद से ज्यादा तेजी से बढ़ते हुए 12.7% की एनुअल ग्रोथ के साथ 24,384.35 करोड़ रुपए रही।

CNBC-TV18 के एनालिस्ट पोल के अनुसार, बाजार को उम्मीद थी कि इस तिमाही में ICICI बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) 9% की बढ़त के साथ 23,689 करोड़ रुपए रह सकती है।

ईरान में 'तख्तापलट' का ड्रामा

तेहरान। पश्चिम एशिया में चार महीनों से ज्यादा समय से जारी भीषण संघर्ष के बीच ईरान में आंतरिक राजनीतिक भूचाल आ गया है। अमेरिका के साथ हुए शांति समझौते को लेकर जारी तनाव के बाद देश के हालात बेहद खराब हो गए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी कट्टरपंथियों ने अपनी ही सरकार के शीर्ष अधिकारियों पर 'सॉफ्ट कूप' यानी धोखे से तख्तापलट का गंभीर आरोप लगाया है, जिससे शासन में बड़ी दरार दिखने लगी है।

भारत ने उठाया सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा रूबियो ने साध ली चुप्पी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने वामपंथी उग्रवाद और राजनीतिक आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ी मंत्रिस्तरीय बैठक बुलाई। इस बैठक में भारत समेत 67 देशों ने हिस्सा लिया। भारत की ओर से अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा बैठक में मौजूद थे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर के यात्रा पर होने के कारण वो इसमें शामिल नहीं हो सके।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बैठक में सभी देशों में वामपंथी आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि आज के वामपंथी आतंकवादी अलग-अलग देशों में काम करते हैं। एक देश में पैसा जुटाते हैं, दूसरे में संचार चलाते हैं, तीसरे में ट्रेनिंग लेते हैं, चौथे देश में आतंकवादियों की भर्ती करते हैं और फिर एकसाथ पांचवें देश में हमला करते हैं। इसलिए हमें मिलकर इस खतरे से लड़ना होगा। भारत की ओर से राजदूत विनय क्वात्रा ने कहा कि भारत वामपंथी उग्रवाद से लंबे समय से जूझ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत आतंकवाद के हर रूप के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है। इसमें सीमा पार आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले समूह भी शामिल हैं।

> रुबियो ने दावा किया कि अमेरिका और यूरोप की आतंकवाद-विरोधी नीतियों की वजह से जिहादी आतंकवाद का खतरा काफी कम हो गया है। उन्होंने कहा कि जिहादी खतरा खत्म नहीं हुआ है, लेकिन पहले के मुकाबले कम है।

'दिन-रात काम करवाया टॉर्चर किया'

ओमान में फंसी हैदराबाद की महिला, दूतावास से मांगी मदद

- हैदराबाद की शबनम ओमान में घरेलू नौकरानी के रूप में प्रताड़ित हुई
- उसे 15 घंटे काम, वेतन-भोजन से वंचित रखा गया, पीटा भी
- भारतीय दूतावास पहुंची, परिवार ने विदेश मंत्री से वापसी की अपील

हैदराबाद, एजेंसी

भारतीय महिला शबनम बेगम ओमान के मस्कट में घरेलू नौकरानी के रूप में काम करने गई थी, लेकिन वहां उसे नौकरानी की नौकरी का झांसा देकर गंभीर प्रताड़ना का शिकार बनाया गया।

शबनम का आरोप है कि उन्हें वहां रोजाना कम से कम 15 घंटे (दिन-रात) काम करने पर मजबूर किया गया, पीटा गया और तीन महीने से अधिक समय तक वेतन और भोजन से वंचित रखा गया।

शबनम तेलंगाना के हैदराबाद की रहने वाली हैं। उन्होंने हैदराबाद के राजनेता, मजलिस बचाओ तहरीक के अमजद उल्लाह खान को भेजे गए एक भावुक वीडियो में कहा, मुझे डेढ़ महीने तक मोबाइल फोन भी नहीं दिया, और तीन महीने से बिना वेतन दिए काम करवा रहे हैं।

वहीं इस मामले को लेकर नेता अमजेद उल्लाह ने बताया कि शबनम को मस्कट में घरेलू नौकरानी के रूप में काम करने के लिए फुसलाया गया था, जहां उन्हें प्रति माह 200 ओमानी रियाल (लगभग 50,000 रुपये) का वेतन मिलता था। उन्होंने शबनम को सुरक्षित वापस लाने के साथ-साथ यह भी मांग की कि झूठे वादों के तहत उसे भेजनों के लिए जिम्मेदार भर्ती एजेंट के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। यह दुर्व्यवहार सहन न कर पाने के बाद शबनम किसी तरह नियोक्ता के चंगुल से भागकर मस्कट स्थित भारतीय दूतावास पहुंची। महिला ने बताया कि उनका पासपोर्ट एजेंट ले गया है। जिसके बाद दूतावास ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।

> शबनम बेगम ने राजनेता को भेजे गए अपने द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में कहा कि एक स्थानीय भर्ती एजेंट द्वारा घरेलू नौकरानी की नौकरी दिलाने के वादे के बाद वह 26 मार्च को ओमान गई थी। यहां मुझे यातना दी गई, पीटा गया और बिना उचित भोजन दिए रखा गया।

अमेरिका से 18 हजार भारतीय डिपोर्ट होंगे

अपील, दलील या वकील करने का मौका नहीं ट्रम्प सरकार ने 2025 में भारतीयों को हथकड़ी-बेड़ियां पहनाकर भेजा था

तैयारी

- 2025 में 3,567 भारतीय अमेरिका से डिपोर्ट हुए थे

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डिपोर्टेशन का बड़ा अभियान छेड़ने की तैयारी कर ली है। अमेरिका में 18 हजार अनडॉक्युमें-टेड (बिना दस्तावेज) भारतीय निशाने पर आ गए हैं।

इस बार भी ट्रम्प प्रशासन डिपोर्टेशन के लिए सैन्य विमानों के इस्तेमाल की तैयारी में है, जो उनकी सख्त इमिग्रेशन नीति की सबसे चर्चित तस्वीर बन चुका है।

अनडॉक्युमेंटेड भारतीयों को न अपील, न दलील और न ही वकील करने का मौका मिलेगा। ट्रम्प की आईसीई (इमिग्रेशन कस्टम्स एंड एनफोर्समेंट) की टीमें लगातार छापे मार रही हैं।

अमेरिका के 4 शहरों- न्यूयॉर्क, टेक्सास, कैलिफोर्निया और न्यूजर्सी—से ग्राउंड रिपोर्ट की। इसमें सामने आया कि डिपोर्टेशन अभियान ने बिना दस्तावेज वाले भारतीयों की जिंदगी पूरी तरह बदल दी है। डिटेंशन सेंटर में बंद लोगों के साथ दुर्व्यवहार की कहानियां भी सामने आईं।

2025 में अमेरिका ने 3,567 भारतीय नागरिकों को डिपोर्ट किया था। यह जानकारी भारत के विदेश मंत्रालय (MEA) ने जून 2026 में दी थी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि 2026 में जून तक 1,076 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया है। 5 फरवरी 2025 को अमेरिका ने पहली बार सैन्य विमान से 104 भारतीयों को अमृतसर भेजा था। इस दौरान कई लोगों को हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां लगी थीं। इसकी तस्वीरें सामने आने के बाद देशभर में विवाद हुआ। संसद में भी हंगामा हुआ था।

डिपोर्टेशन के लिए दो नए डिटेंशन सेंटर तैयार

ट्रम्प प्रशासन ने डिपोर्ट किए जाने वाले प्रवासियों को रखने के लिए एल पासो में एक और कैलिफोर्निया में दो वेयरहाउस खरीदे हैं। इन पर करीब 16,500 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इन्हें डिटेंशन सेंटर में बदलकर आईसीई को सौंप दिया गया है। यहां करीब 12 हजार प्रवासियों को रखा जा रहा है।

वकील बोले- पहले सुनवाई होती थी, अब सीधे डिटेंशन सेंटर भेजा जा रहा

न्यूयॉर्क के इमिग्रेशन अटॉर्नी ग्रेग सिस्किंड कहते हैं, ₹मैं 30 साल से प्रवासियों के केस लड़ता रहा हूं। बिना दस्तावेज वाले किसी भी प्रवासी को अपना पक्ष रखने का मौका मिलता है, लेकिन अब आईसीई के छापों के बाद लोगों को सीधे डिटेंशन सेंटर भेजा जा रहा है।

उनका कहना है कि अमेरिका में संघीय व्यवस्था के कारण हर राज्य में मानवाधिकारों से जुड़े अलग-अलग कानून हैं, लेकिन आईसीई किसी भी राज्य में जाकर कार्रवाई कर रही है।

अमेरिका का नया वीजा नियम समय-सीमा अधिकतम 4 साल तय

एफ-1 छात्र, जे-1 विजिटर, आई वीजा धारकों पर असर

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट (डीएचएस) ने इमिग्रेशन से जुड़ा एक नया और सख्त नियम लागू किया है। इसके तहत एफ-1 छात्रा वीजा होल्डर्स, जे-1 एक्सचेंज विजिटर्स और विदेशी पत्रकारों के लिए आई वीजा होल्डर्स के अमेरिका में रहने की समय-सीमा अधिक से अधिक चार साल तय कर दी गई है।

इस कदम का असर लाखों भारतीय नागरिकों पर पड़ने की उम्मीद है। नीति में बदलाव इस से भारतीय छात्रों और पेशेवरों की चिंता बढ़ गई है। नए नियम के तहत, ज्यादातर विदेशी छात्रों और एक्सचेंज विज़िटर्स को अमेरिका में सिर्फ अपने तय एकेडमिक कोर्स या प्रोग्राम की अवधि तक ही रहने की इजाजत होगी और यह समय-सीमा एक बार में अधिक से अधिक चार साल तक ही सीमित होगी।

इसी तरह, आई वीजा पर आने वाले विदेशी मीडिया कर्मियों के लिए भी रहने की अवधि तय कर दी जाएगी। इस नियम को 15 सितंबर 2026 से लागू किया जाना है, हालांकि इस पर अभी कांग्रेस की समीक्षा होनी बाकी है।

- हैदराबाद की शबनम ओमान में घरेलू नौकरानी के रूप में प्रताड़ित हुई
- उसे 15 घंटे काम, वेतन-भोजन से वंचित रखा गया, पीटा भी
- भारतीय दूतावास पहुंची, परिवार ने विदेश मंत्री से वापसी की अपील

नीलामी : नीलामी में उम्मीद से 16 गुना ज्यादा मिली कीमत, पैसा फेलोशिप और रिसर्च पर खर्च होगा

एनवीडिया सीईओ की ब्लैक लेदर जैकेट 9.4 करोड़ में बिकी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी टेक कंपनी एनवीडिया के CEO जेन्सन हुआंग की पहचान बन चुकी उनकी खास ब्लैक लेदर जैकेट करीब 9.4 करोड़ रुपए (9.60 लाख डॉलर) में नीलाम हुई है। ऑक्शन हाउस सोथबी द्वारा आयोजित इस नीलामी में जैकेट की कीमत उम्मीद से 16 गुना ज्यादा मिली है।

पहले इसके 40 हजार से 60 हजार डॉलर (करीब 33 लाख से 50 लाख रुपए) में बिकने का अनुमान लगाया गया था। इस नीलामी से मिलने वाली पूरी रकम को टेक और साइंस सेक्टर के युवा इनोवेटर्स की मदद के लिए दान किया जाएगा।

सिलिकॉन वैली में जिस तरह एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स का ब्लैक टर्टलनेक और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की ग्रे टी-शर्ट या हुडी उनका सिग्नेचर स्टाइल रही है, उसी तरह जेन्सन हुआंग की ब्लैक लेदर जैकेट टेक जगत में एक बड़ा सिंबल बन चुकी है। जेन्सन एनवीडिया के बड़े प्रोडक्ट लॉन्चेस, डेवलपर कॉन्फ्रेन्स और कीनोट प्रेजेंटेशन्स में हमेशा इसी लुक में नजर आते हैं।

साल 2016 में रेडिट के एक 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन में जेन्सन ने मजाकिया अंदाज में लिखा था, शायद आप मुझे 'लेदर जैकेट वाले उस शख्स' के रूप में बेहतर जानते होंगे जो अपनी बात को तीन बार दोहराता है। उनका यह लुक इतना पॉपुलर हुआ कि 2021 में जब 'टाइम' मैगजीन ने उन्हें अपने कवर पेज पर जगह दी, तब भी वे इसी सिग्नेचर जैकेट में दिखे थे।

जेन्सन हुआंग को टॉम फोर्ड की जैकेट्स काफी पसंद हैं और यह सिलिकॉन वैली में चर्चा का विषय रहता है। फैशन एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जेन्सन की ज्यादातर जैकेट्स की कीमत कई हजार डॉलर से लेकर 10,000 डॉलर (करीब 8.3 लाख रुपए) से अधिक होती है।

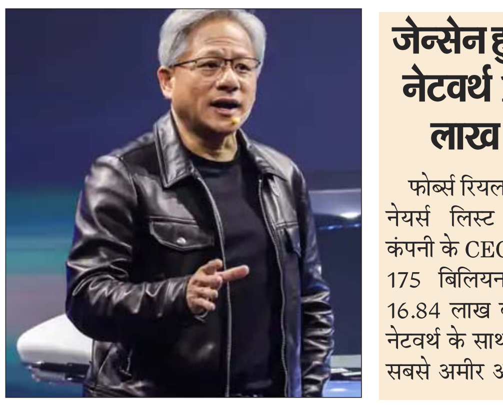

जेन्सेन हुआंग की नेटवर्थ 15.39 लाख करोड़

फोर्ब्स रियल टाइम बिलिय-नेयर्स लिस्ट के अनुसार, कंपनी के CEO जेन्सेन हुआंग 175 बिलियन डॉलर यानी 16.84 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ दुनिया के 7वें सबसे अमीर आदमी हैं।

फेलोशिप और रिसर्च पर खर्च होगा नीलामी में मिला पैसा

फॉर्च्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, इस नीलामी से मिली राशि सैन फ्रांसिस्को की वेंचर कैपिटल फर्म 'लॉन्ग जर्नी वेंचर्स' द्वारा शुरू की गई एक पहल में जाएगी। यह पहल 'एज इंस्टीट्यूट' नाम के एक नॉन-प्रॉ-फिट ऑर्गेनाइजेशन की मदद के लिए काम करती है। एज इंस्टीट्यूट टेक, साइंस, कल्चर और सोसाइटी से जुड़े लोगों को एक साथ लाता है ताकि वे नए आइडियाज पर काम कर सकें।

> सोथबी में जिस जैकेट की नीलामी हुई है, वह लग्जरी ब्रांड टॉम फोर्ड की ब्लैक लेदर जैकेट है। हुआंग ने इसे 18 अक्टूबर 2023 को ताइपे में आयोजित 'हॉन हाई टेक डे' के दौरान पहना था। ऑक्शन हाउस ने इवेंट की तस्वीरों से इस जैकेट का मिलान किया है। साथ ही जैकेट पर जेन्सन हुआंग के ऑटोग्राफ की जांच 'जेम्स स्पेंस ऑथेंटिकेशन' द्वारा की गई है।

बाढ़ के पानी में 3 घंटे तैरकर मां-बाप के पास पहुंचा युवक

बीजिंग, एजेंसी

दक्षिणी चीन में आई जबरदस्त बाढ़ की वजह से कई परिवार सुरक्षित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसी ही एक घटना में एक व्यक्ति ने अपने माता-पिता से संपर्क टूटने के बाद उनका हाल-चाल जानने के लिए घंटों तक बाढ़ के पानी में तैरकर सफर किया और अपनी जान जोखिम में डाली।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के गुआंग्शी जुआंग ऑटोनॉमस रीजन में भारी बारिश और कई बांधों के टूटने से आई बाढ़ में 39 लोगों की मौत हो गई है और लगभग 4,00,000 निवासी प्रभावित हुए हैं। अपने माता-पिता से संपर्क न हो पाने के बाद जी ने कहा कि वह रात भर सो नहीं पाए क्योंकि उन्हें चिंता थी कि कहीं उनके 63 वर्षीय पिता बाढ़ में बह न गए हों।

6 जुलाई को जी (Xie) नाम के 30 साल के एक व्यक्ति ने क्विनझोउ (Qinzhou) में अपने माता-पिता के गांव पहुंचने के लिए टायर पकड़कर तीन घंटे तक तैराकी की। इस सफर में एक दोस्त भी उनके साथ था। जी और उनके दो भाई-बहन शहर में रहते हैं, जबकि उनके माता-पिता लगभग 10 किलोमीटर दूर एक गांव में रहते हैं।

पिछली रात जी की मां ने उसे फोन करके बताया था कि उसके पिता पहले काटा गया धान सुरक्षित करने गए थे लेकिन अभी तक लौटे नहीं हैं। उन्हें उनकी चिंता हो रही थी। तब तक गांव में बाढ़ आ चुकी थी और घर पहली मंजिल तक पानी में डूबे हुए थे।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96